देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–293 । सागर, गुरुवार, 14 दिसम्बर 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

कुये में गिरा सांड़, नपा ने लोगो की मदद से 3 घंटे तक रेस्क्यू कर निकाला पृष्ठ 2

▪ धारा 370 को सर्वोच्च न्यायालय ने किया निरस्त, पर अनेक मुद्दे रह गये अनुत्तरित पृष्ठ 4

▪ दस्तावेजों की हुई जांच, वाहन चालकों से की पूछताछ, बिना हेलमेट चालकों के चालान पृष्ठ 6

ढाई हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया कोटवार पृष्ठ 8

मोहन यादव ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

मोदी, शाह, नड्डा, योगी सहित कई बड़ी हस्तियां बनीं साक्षी

समारोह में मुख्यमंत्री महाराष्ट्र एकनाथ शिंदे, मुख्यमंत्री गुजरात भूपेन्द्र पटेल, मुख्यमंत्री मणिपुर एन. बीरेन सिंह, मुख्यमंत्री उत्तराखंड पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री मेघालय कोंराड संगमा, उप मुख्यमंत्री महाराष्ट्र देवेन्द्र फड़नवीस, उप मुख्यमंत्री महाराष्ट्र अजीत पवार एवं नागालैण्ड के उप मुख्यमंत्री वाय. पैटन शामिल हुए।

इसके साथ ही राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी.एल. संतोष, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, म.प्र. भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा, पूर्व मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि शामिल हुए। पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन के साथ आरंभ हुए शपथ ग्रहण समारोह का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने किया।

समारोह में देश के प्रमुख साधु संत भी सम्मिलित हुए। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पूरे प्रदेश से आए बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साह से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अभिवादन किया। कार्यक्रम का समापन पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रगान की धुन के साथ हुआ।

जगदीश देवड़ा, राजेन्द्र शुक्ला ने संभाला उपमुख्यमंत्री पद

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज राजधानी भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह में डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राज्यपाल श्री पटेल ने जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल को उप मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने नवनिर्वाचित विधायक, भारतीय जनता पार्टी के राज्य, संभाग, जिला और विकासखंड स्तरों के सभी पदाधिकारी और लाखों की संख्या में कार्यकर्ता, स्वयंसेवक और आम नागरिक उपस्थित थे। भव्य शपथ ग्रहण समारोह में केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केन्द्रीय नागरिक विमानन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।

विष्णु देव साय ने संभाली छत्तीसगढ़ की कमान

रायपुर, देशबन्धु। आदिवासी नेता विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के पद की शपथ ली। उनके साथ दो उप मुख्यमंत्रियों अरूण साव एवं विजय शर्मा ने भी शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस मौके पर मौजूद थे। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राजधानी के साइंस कालेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम में श्री साय को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवायी।

संसद पर हमले की 22वीं बरसी पर सुरक्षा में फिर बड़ी चूक

स्मोक बम के साथ दर्शक दीर्घा से सदन में कूदे दो युवक

सांसदों ने पकड़ा और जमकर धुना

नई दिल्ली, देशबन्धु। देश का सबसे सुरक्षित स्थान कहे जाने वाले संसद भवन की सुरक्षा में ठीक संसद पर हुए हमले की बरसी के दिन सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। बुधवार को सदन की कार्यवाही के दौरान दो युवक दर्शक दीर्घा से नीचे कूद गए। इस दौरान उन्होंने कुछ स्प्रे भी किया,जिससे सदन में धुआं-धुआं हो गया।

हालांकि उन्हें सांसदों की मदद से सुरक्षा बलों ने पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों में एक का नाम सागर शर्मा और दूसरे का मनोरंजन बताया गया है। वहीं सदन के बाहर प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए भी एक युवक और एक युवती पकड़ा गया। युवती का नाम नीलम है। घटना के फौरन बाद दिल्ली पुलिस की आतंकवाद रोधी इकाई का विशेष दल संसद भवन में ही पहुंचकर उनसे पूछताछ की। यह घटना शून्यकाल के दौरान घटी। हालाकि लोकसभा के पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने फौरन सदन की कार्यवाही को दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। बाद में सदन सुचारू तरीके से चलाया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहाकि शून्यकाल के दौरान हुई घटना की अपने स्तर पर संपूर्ण जांच की जा रही है।

इस संबंध में दिल्ली पुलिस को भी जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं। वहीं कार्यवाही के दौरान सदन में मौजूद सांसदों ने बताया कि दोनों युवकों ने हाथ में आंसू गैस का कनस्तर बांध रखा था। एक युवक ने गैस छोड़ी तो दूसरा इस दौरान बेंच को ठोकते हुए नारेबाजी कर रहा था। ये लोग तानाशाही नहीं चलेगी का नारा भी लगा रहे थे। उल्लेखनीय है कि 13 दिसम्बर को संसद पर हमले की 22 वीं बरसी थी। ठीक इसी दिन सुरक्षा में इतनी बडी चूक हैरान कर देने वाली घटना है।

तानाशाही नहीं चलेगी, के लगा रहे थे नारे

इस घटना में छह लोग थे शामिल

हाई सिक्योरिटी वाले संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। इस बीच सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस पूरी घटना में छह लोग शामिल थे, इनमें से पांच लोगों को पकड़ लिया गया है और एक की तलाश जारी है।

पुलिस कर रही है पूछताछ-मालूम हो कि कुछ सांसदों ने बड़ी दिलेरी दिखाते हुए खुद दोनों युवकों को कब्जे में लिया और फिर सुरक्षा बलों को सौंप दिया। इस घटना के बाद पूरे संसद परिसर में हडकंप मच गया। फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों को संसद मार्ग थाने ले गई। जहां उनसे पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पन्नू ने दी थी संसद पर हमले की धमकी-अमेरिका में रहने वाले पन्नू ने वीडियो जारी करके कहा था- हम संसद पर हमले की बरसी वाले दिन यानी 13 दिसंबर या इससे पहले संसद की नींव हिला देंगे।

मुख्तार अंसारी की याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को बांदा जेल में बंद गैंगस्टर से राजनेता बने पांच बार के विधायक मुख्तार अंसारी को गैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित किसी राज्य में स्थानांतरित करने की याचिका बुधवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने इस मामले में विचार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने हालांकि, अंसारी के बेटे उमर को रिट याचिका में अपनी गुहार में संशोधन करने की अनुमति दी और कहा कि वह शुक्रवार को संशोधित याचिका पर विचार करेगी।

पैसे की लूट मुद्दे पर खड़गे ने मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि वह बार बार पैसे की लूट की बात करते हैं तो उन्हें बताना चाहिए कि सरकारी बैंकों में लूट किस वजह से हो रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री जी पैसे की लूट की बात कर रहे हैं तो लगे हाथ, ये बता दें कि 16,663 जानबूझकर बैंकों का कर्ज नहीं लौटने वालो ने बैंको को 3.35 लाख करोड़ रुपए का चूना कैसे लगाया। श्री खडगे ने पूछा क्या कारण है कि 2014-15 के बाद से बैंकों द्वारा कॉर्पोरेट ऋण खत्म करना था , 10.42 लाख करोड़ रुपये का पर वास्तविक ऋण वसूली 1.61 लाख करोड़ रुपये ही क्यों रही। क्यों सरकारी लूट के कारण आज खुदरा महंगाई दर 5.5 प्रतिशत पर है और 74 प्रतिशत भारतीय पौष्टिक आहार से वंचित हैं।

मुख्यमंत्री यादव का पहला आदेश

धार्मिक स्थलों में कानफोड़ू लाउड स्पीकरों पर लगेगी रोक

सभी जगह निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप किया जा सकेगा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग

जिलों में गठित होंगे उड़नदस्ते

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि किसी भी प्रकार के धार्मिक स्थल अथवा अन्य स्थान में निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउड स्पीकर/डीजे) आदि का उपयोग किया जा सकेगा। राज्य शासन द्वारा ध्वनि प्रदूषण तथा लाउड स्पीकर आदि के अवैधानिक उपयोग की जाँच के लिये सभी जिलों में उड़नदस्ते गठित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मंत्रालय में प्रभार ग्रहण करने के बाद इससे संबंधित प्रथम नस्ती पर हस्ताक्षर किये। मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थल और अन्य स्थानों पर मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 के प्रावधानों तथा सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में राज्य शासन ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के नियम विरूद्ध तेज आवाज में बिना अनुमति के उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। ध्वनि प्रदूषण तथा लाउड स्पीकर आदि के अवैधानिक उपयोग की जाँच के लिये सभी जिलों में उड़नदस्ते नियमित और आकस्मिक रूप से धार्मिक और सार्वजनिक स्थानों जहाँ ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग होता है, का निरीक्षण करेंगे। उपयोग की जाँच के लिये सभी जिलों में उड़नदस्ते गठित किये जायेंगे।

बस ड्राइवर को दौरा पड़ने से हादसा, 4 की मात

ग्रेटर नोएडा, देशबन्धु। दनकौर रेलवे स्टेशन के पास बुधवार दोपहर बुलंदशहर डिपो की बस की टक्क र से तीन बाइक पर सवार जीजा-साले समेत 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया जाता है कि घटना के वक्त बस के ड्राइवर को सामान्य दौरा पड़ गया था। जिसकी वजह से वह बेहोश हो गया। जिसके चलते ही यह भीषण हादसा हो गया।

घटना के वक्त तीनों बाइक बस के सामने चल रही थी। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही बस के ड्राइवर को भी ग्रेनो के जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी छुट्टी दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बुलंदशहर बस डिपो करीब 30 सवारियों को लेकर नोएडा से बुलंदशहर को बुधवार की दोपहर करीब 12:20 बजे जा रही थी। जब बस दनकौर रेलवे स्टेशन के पास फ्लाई ओवर से उतर रही थी। उसी दौरान बस के ड्राइवर ब्रह्मपाल निवासी बुलंदशहर को सामान्य दौरा पड़ गया। जिसके चलते वह बेहोश हो गया। जिसके बाद बस का संतुलन बिगड़ गया। इस घटना में बस के आगे चल रहे तीन बाइक पर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के वक्त जब सवारियों को हेल्पर ने बेहोश अवस्था में देखा तो 2 लोगों ने बस के ब्रेक लगाकर कंट्रोल किया।

बिटकॉइन घोटाला : एफआईआर सीबीआई को ट्रांसफर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- दिल्ली की अदालत में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले से संबंधित कई एफआईआर को आगे की जांच और आरोपपत्र दाखिल करने के लिए सीबीआई को ट्रांसफर करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि इन मामलों की सुनवाई नई दिल्ली के राउज एवेन्यू में विशेष सीबीआई अदालत में की जाएगी।

पीठ ने 45 से अधिक एफआईआर में आरोपियों को अग्रिम जमानत देने के 30 अगस्त, 2019 के अपने पहले के आदेश को संशोधित किया और कहा कि- यह अब लागू नहीं है। इसमें कहा गया है कि अगर आरोपी को किसी अन्य अदालत से नियमित जमानत नहीं मिलती है, तो उसे दिल्ली हाईकोर्ट से इसकी मांग करनी होगी। कोर्ट ने कहा कि अग्रिम जमानत की पूर्व शर्त के रूप में आरोपी द्वारा शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में जमा की गई एक करोड़ रुपये की राशि को दिल्ली की ट्रायल कोर्ट में ट्रांसफर करना होगा।

76 कानूनों को निरस्त करने वाले विधेयक को संसद की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने बुधवार को निरसन और संशोधन विधेयक 2023 पारित कर दिया। यह विधेयक 76 ऐसे कानूनों को रद्द करने की बात करता है जो अब प्रचलन में नहीं हैं। यह विधेयक दशकों पुरानें टेलीग्राफ वायर कानून, भूमि अधिग्रहण (खान) कानूनों को निरस्त करने की एक पहल है। गौरतलब है कि लोकसभा इस महत्वपूर्ण विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को राज्यसभा में निरसन और संशोधन विधेयक 2023 विचार व पारित करने के लिए पेश किया। इस विधेयक का उद्देश्य 76 अधिनियमों को निरस्त करने के साथ-साथ एक अधिनियम में संशोधन करना है। केंद्र सरकार का मानना है कि पुराने अप्रचलित कानून को रद्द करने की पहल से सामान्य लोगों का जीवन सुगम बनता है। बुधवार को राज्यसभा द्वारा पारित किया गया यह विधेयक भी जनजीवन एवं व्यापार की सुगमता बढ़ाने की दिशा में किया गया एक और प्रयास है। जहां राज्यसभा ने 13 दिसंबर को यह विधेयक पास किया है, वहीं लोकसभा 27 जुलाई को इस विधेयक को मंजूरी दे चुकी है।

मिशन | **इसरो प्रमुख की बड़ी घोषणा**

2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा इसरो

तिरुअनंतपुरम। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इसरो) अपने अगले कदम की तैयारी कर रही है। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि- इसरो 2040 तक चंद्रमा पर पहला अंतरिक्ष यात्री भेजेगा। उन्होंने कहा कि हम इस योजना पर पूरी तरह से काम कर रहे हैं। इसरो प्रमुख ने देश के पहले मानवयुक्त मिशन 'गगनयान' पर काम के बारे में बताते हुए कहा कि- मिशन के लिए चुने गए भारतीय वायु सेना के चार पायलट बेंगलुरु में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा में प्रशिक्षित किए जा रहे हैं।

एक विशेष लेख में उन्होंने बताया कि इसरो का लक्ष्य गगनयान कार्यक्रम के साथ अंतरिक्ष अन्वेषण में अगला कदम उठाना है। इसमें 2 से 3 भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के दल को लो अर्थ में भेजे जाने की योजना है। इसके बाद उन्हें भारतीय जलक्षेत्र में पूर्वनिर्धारित जगह पर सुरक्षित रूप से उतारा जाएगा। मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक का विकास शामिल है।

जिसमें एक मानव-रेटेड लांच वाहन (एचएलवीएम 3), एक क्रू माड्यूल (सीएम), सर्विस माड्यूल (एसएम) और मानव के रहने के अनुकूल एक आर्बिटल माड्यूल है। क्रू माड्यूल अंतरिक्ष में चालक दल के लिए पृथ्वी जैसे वातावरण वाला रहने योग्य स्थान है और इसे सुरक्षित पुन: प्रवेश के लिए डिजाइन किया गया है। सुरक्षा उपायों में आपात स्थिति के लिए क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) भी शामिल है।

मिशन के लिए चुने गए भारतीय वायु सेना के चार पायलट बेंगलुरु में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण सुविधा में प्रशिक्षित किए जा रहे हैं।

परीक्षण वाहन (टीवी-डी1) की पहली विकास उड़ान 21 अक्टूबर, 2023 को लांच की गई थी और इसने क्रू एस्केप सिस्टम का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। इसके बाद क्रू माड्यूल को अलग किया गया और बंगाल की खाड़ी से भारतीय नौसेना ने इसे सुरक्षित प्राप्त किया। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि इस परीक्षण उड़ान की सफलता मानव अंतरिक्ष मिशन के लिए महत्वपूर्ण है।

कुए में गिरा सांड़, नपा ने लोगों की मदद से 3 घंटे तक रेस्क्यू कर निकाला

खुरई, देशबन्धु। मरई माता मंदिर के पास दो सांड़ आपस में भिड़ गये। इस दौरान एक सांड़ 25 फीट गहरे कुये में गिर गया। इसके बाद लोगों ने सांड को निकालने का प्रयास किया। इसके बाद जेसीबी मशीन को बुलाया गया। फिर 3 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन कर सांड़ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। खुरई के जगजीवन राम वार्ड में स्थित मरई माता मंदिर के पास बने कुये में पानी होने के कारण सांड का रेस्क्यू करने में परेशानी हुई। आसपास के लोगों ने अपने तरीके से सांड़ को निकालने का पूरा प्रयास किया। लेकिन जब

लोग सफल नहीं हुए तो इसकी जानकारी नगर पालिका प्रशासन को दी। इसके बाद सभी ने मिलकर करीब 3 घंटे तक कड़ी मशक्कत के बाद सांड़ को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रभु अहिरवार ने बताया कि मरई माता मंदिर के पास खाली भूमि पर एक कुआं है। वही पास में दो सांड आपस में लड़ रहे थे, इस दौरान एक बचने के लिए पीछे हटा और कुएं में गिर गया। आवाज सुनकर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। वार्ड के लोगों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी। इसके बाद एक टीम गठित कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। कुएं में पानी भरा हुआ था। लोग रस्सी बांधकर सांड़ को बाहर खींचना चाह रहे थे, लेकिन सांड़ का वजन काफी ज्यादा होने के कारण सांड़ निकल नहीं पा रहा था। इसके बाद जेसीबी मशीन मंगाई गई। मोटे रस्से में सांड़ को बांधकर जेसीबी के सहारे धीरे-धीरे उसे बाहर निकाला गया। हालांकि इस दौरान कई बार रस्सी टूट गई, लेकिन लोगों के प्रयास और समझदारी से धीरे-धीरे रेस्क्यू पूरा किया गया। उन्होंने बताया कि कुये में सांड़ गिरने की घटना के पहले भी हो चुकी हैं। मंदिर के पास क्रिकेट खेलने के दौरान एक बालक भी कुएं में गिर गया था, जिसे लोगों ने बाहर निकल लिया था। इसके अलावा एक गाय भी कुये में गिर चुकी है।

जनपद स्तरीय समितियों का गठन

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक आर्य ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन के दौरान शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रत्येक जनपद पंचायत स्तर पर एक-एक जनपद स्तरीय क्रियान्वयन समिति के गठन के आदेश जारी किये है। जारी आदेश में प्रत्येक जनपद पंचायत स्तरीय क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष स्थानीय अनुविभागीय राजस्व अधिकारी होंगे जबकि समिति का सदस्य सचिव संबंधित जनपद पंचायत के सीईओ होंगे। इसके अलावा समिति में 16 सदस्य भी शामिल किए गए है। समिति विकासखण्ड स्तर व ग्राम पंचायत स्तर से समन्वय कर कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसके अलावा हितलाभ उपलब्ध कराना व कार्यक्रमों की मानिटरिंग करने के साथ-साथ प्रचार-प्रसार, समन्वय, रिपोर्टिंग इत्यादि कार्यो को भी संपादित करेंगी।

अयोध्या में पूजित अक्षत कलश शाहगढ़ पहुंचा, निकली शोभायात्रा

शाहगढ़, देशबन्धु। अयोध्या में पूजित अक्षत कलश का शाहगढ़ में पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। नगर के अंबेडकर चौक स्थित हनुमान मंदिर से जानकी रमण मंदिर तक अक्षत कलश शोभायात्रा निकाली गई। अक्षत कलश को सिर पर रखने का सौभाग्य नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि संजय खटीक को प्राप्त हुआ। जगह-जगह विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संगठनों ने अक्षत कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा की। लोगों ने फुलझड़ियां, पटाखे व अन्य आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की। पूरा नगर श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। वासु तिवारी और भरत यादव ने बताया कि सभी के लिए खुशी की बात है कि 22 जनवरी को श्री राम लला भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। इस दिन अयोध्या में भव्य आयोजन होगा। जिसका पूरा विश्व साक्षी बनेगा। अयोध्या में पूजित अक्षत पीले चावल, पत्रक व श्रीराम का चित्र निमंत्रण स्वरूप घर-घर पहुंचाया जा रहा है। शोभायात्रा जानकी रमण मंदिर में संपन्न हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में राम भक्त महिलाएं, पुरुष मौजूद रहे।

फल मंडी में थोक एवं फुटकर फल एवं सब्जी विक्रेताओं का किया निरीक्षण

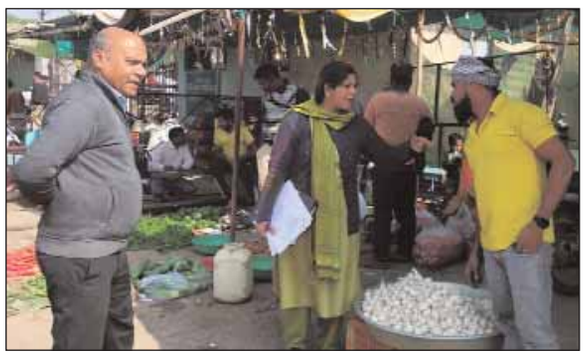

दमोह, देशबन्धु। डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन दमोह राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत सागर नाका स्थित सब्जी मंडी एवं कचौरा शॉपिंग सेंटर स्थित फल मंडी में थोक एवं फुटकर फल एवं सब्जी विक्रेताओं का औचक निरीक्षण किया एवं उनके द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सब्जी एवं फलों की गुणवत्ता की जांच की एवं मौके पर थोक एवं फुटकर फल सब्जी विक्रेताओं से मौसमी फल एवं सब्जी जिसमें लाल मिर्च, मटर, अदरक, चकुंदर, गाजर, बरबटी, शिमला मिर्च, मैथी की भाजी, सेम फल्ली, करेला, सेवफल, बनारसी बेर, किन्नू, अनार एवं पिंड खजूर के नमूनें लिए। इन नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। नमूना संग्रहण की कार्यवाही कचौरा शॉपिंग सेंटर स्थित पप्पू शरीफ फ्रूट मर्चेंट एवं श्री साईं ट्रेडिंग कंपनी सागर नाका स्थित सब्जी मंडी स्थित विशाल भाई खटीक, महेंद्र पटेल एवं सतीश खटीक सब्जी विक्रेता पर की गई है। निरीक्षण की कार्यवाही के दौरान अधिकतर थोक एवं फुटकर सब्जी एवं फल विक्रेताओं के पास खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन मौके पर नहीं पाए गये। मौके पर सभी फल एवं सब्जी विक्रेताओं को दो दिवस के भीतर खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन बनवाने के दिशा निर्देश दिए।

प्रो. जिनेंद्र कुमार जैन एवं प्रो. मनिंदर सिंह पाहवा भारतीय लेखांकन परिषद के पदाधिकारी निर्वाचित

सागर, देशबन्धु। भारतीय लेखांकन परिषद का वार्षिक अधिवेशन त्रिवेंद्रम केरल में 9,10 दिसंबर 2023 को आयोजित हुआ। इस अधिवेशन में वाणिज्य विभाग डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि के विभागाध्यक्ष प्रो. जिनेंद्र कुमार जैन प्रथम अकादमिक सत्र के संयुक्त अध्यक्ष रहे। इस सत्र की विषय वस्तु निगमित क्षेत्र में प्रगटन व्यवहार रहा। इस सत्र में 78 शोध पत्र पढ़े गए। भारतीय लेखांकन परिषद के त्रि-वर्षीय चुनाव प्रक्रिया मतदान के माध्यम से 10 दिसंबर को त्रिवेंद्रम में संपन्न हुई। इस राष्ट्रीय संगठन में वाणिज्य विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विवि के विभागाध्यक्ष प्रो. जिनेंद्र कुमार जैन संयुक्त सचिव के पद हेतु अपने प्रतिद्वन्दी से 202 मतों

से विजय हुए। इस चुनाव में पांच उम्मीदवार जिनमें सर्वाधिक मत 232 प्रो. जिनेंद्र कुमार जैन को प्राप्त हुए तथा प्रतिद्वन्दी को 30 मत प्राप्त हुए। प्रो. जैन की इस उपलब्धि से विवि परिसर में खुशी का माहौल है। संयुक्त सचिव के चुनाव में प्रो. जैन की विजय के अतिरिक्त विभाग के प्रो. मनविंदर सिंह पाहवा को भारतीय लेखांकन परिषद की कार्य परिषद में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नामित किया गया। भारतीय लेखांकन परिषद अमेरिकन लेखांकन परिषद का भारतीय स्वरूप है, इस परिषद में वार्षिक अधिवेशन में लेखांकन के आयाम के साथ लेखांकन शिक्षा एवं शोध पर व्यापक शोध कार्य प्रस्तुत किए जाते हैं। भारतीय स्तर पर आयोजित इस अधिवेशन में लगभग 1000 प्रतिभागी उपस्थित रहे। मतदान का अधिकार इस के संविधान के अनुसार केवल आजीवन सदस्यों को ही प्राप्त है इस अपेक्स परिषद द्वारा देश के विभिन्न विवि के पाठ्यक्रम निर्माण एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

नगर को स्वच्छ, सुंदर बनाने विशेष सफाई अभियान शुरु

बांदरी, देशबन्धु। नगर परिषद बांदरी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेश मेहतेले के निर्देशन में नगर क्षेत्र के वार्ड अटाटीला, पिथौली, पहरगुआं में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें प्रत्येक वार्ड में नालियों की सफाई के साथ केमिकल का भी छिड़काव किया गया। इस दौरान सीएमओ मेहतेले ने सफाई प्रभारियों के साथ नगर का निरीक्षण किया। सीएमओ ने पैदल ही नगर वार्ड एवं मुख्य मार्गों पर जाकर सफाई व्यवस्था देखी वहीं उन्होंने सफाई प्रभारियों से कहा कि कहीं पर भी कचरा के ढेर नहीं होना चाहिये। समय-समय पर व्यवस्थित सफाई की जाये ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े और जानकारी दी कि नगर में निरंतर सफाई हो इसके लिए 70 सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस दौरान वार्ड वासियों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया जा रहा है। स्वच्छता भारत मिशन में बांदरी नगर को नंबर वन बनाने के लिए परिषद निरंतर सफाई अभियान चला रही है नगर परिषद के कर्मचारी और अधिकारी नगर को स्वच्छता में पहले स्थान पर लाने का लगातार प्रयास कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले सागर करेली रेल्वे लाइन डालने की मांग

गौरझामर, देशबन्धु। लोकसभा चुनाव के आते ही सियासतदानो द्वारा सागर करेली रेल लाइन डाले जाने के वादे तो खूब किये जाते है लेकिन चुनाव जीतने के बाद किये जाने वादे भूल जाते है। दो जिलो सागर नरसिंहपुर के तमाम जनमानस के द्वारा विगत चार-पांच दशको से उक्त रेललाइन डालने की मांग पुरजोर रुप से निरन्तर की जा रही है लेकिन यह महत्वपूर्ण मांग अभी भी ठण्डे बस्ते मे पडी हुई है। सागर करेली रेल लाइन के नाम पर खूब राजनीति कर लोकसभा चुनाव जीते गये लेकिन जीतने के बाद वादा खिलाफी के चलते दशको बाद भी आज तक सागर करेली रेल लाइन नही डाली जा सकी है। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लोगों ने लंबे अरसे से चली आ रही सागर करेली रेल लाइन देवरी, गौरझामर होकर शीघ्र डाले जाने की मांग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केन्द्रीय रेल मंत्री से की है। बता दें कि सागर करेली रेलवे लाइन डालने से इस काम में हजारों बेरोजगारों को काम और नौकरियां तो मिलेगी ही साथ ही इस उपेक्षित व कृषि प्रधान क्षेत्र का विकास भी तेजी से संभव हो सकेगा यहां की कृषि को अभी तक पर नहीं लगे हैं परिणाम स्वरुप किसान आज भी कर्ज के बोझ के तले दबा हुआ कराह रहा है लेकिन उचित मंडी नहीं मिलने के कारण उसे अपने अनाज को औने-पौने भाव से व्यापारियों को मजबूरी में बेचना पड़ रहा है इसमें एक कारण और भी बताया जाता है कि सागर कटनी रेल लाइन पर दबाव अत्यधिक होने के कारण आये दिन उक्त लाइन बंद करना पड़ती है जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि यदि सागर करेली रेल लाइन डाली जाती है तो इस दो जिलों के साथ-साथ अन्य जिलों के लोगों को भी रेल यात्रा की सुविधा मिलना प्रारंभ हो जावेगी देश के रेल मंत्री इस ओर शीघ्र ध्यान देकर लोकसभा चुनाव के पहले शीघ्र घोषणा करें कि सागर करेली रेल लाइन डाला जाना प्रस्तावित है जिससे लोगों को राहत मिल सके।

रेल यात्रियों के सामान चोरी, एक युवक से रुपए लूटे

बीना, देशबन्धु। रेलवे जंक्शन से निकलने वाली अलग-अलग ट्रेनों में यात्रा करने वाले तीन यात्रियों के साथ चोरी की घटनाये सामने आई हैं। वहीं नई बस्ती स्थित एटीएम से रुपये निकालकर जा रहे एक युवक से दो अज्ञात लुटेरों ने रुपए लूट लिए। जानकारी के मुताबिक यात्री गंगा सुखवानी इंदौर से सतना की यात्रा क्षिप्रा एक्सप्रेस से कर रही थी। जिनका पर्स अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। पर्स में रखे नौ हजार रुपए नकद और मोबाइल चोरी हो गया। वहीं योगेन्द्र पिता राम अवतार 20 निवासी मुंगावली, भोपाल एक्सप्रेस से बीना से मुरैना की यात्रा कर रहा था। जिसका मोबाइल अज्ञात चोर ने चोरी कर लिया। दयोदय एक्सप्रेस से जबलपुर से जोधपुर की यात्रा कर रही कविता पति दिलीप कुमार बच्चानी 42 निवासी आधारताल जबलपुर का पर्स भी चोरी हो गया। जिसमें रखे 50 हजार रुपए कैश और मोबाइल था। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बीना की नई बस्ती स्थित एटीएम से रुपए निकालकर पश्चिमी रेलवे कॉलोनी की ओर जा रहे एक युवक से दो अज्ञात लुटेरों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक दीपक पिता बिसन सिंह 24 कुरवाई जिला विदिशा जो नई बस्ती स्थित एटीएम से रुपए निकालकर पश्चिमी रेलवे कॉलोनी की ओर जा रहा था। तभी काली मंदिर के सामने दो अज्ञात लुटेरों ने आकर युवक को पकड़ लिया और उसकी जेब में रखे पांच हजार रुपए लूट ले गए। इस दौरान युवक चिल्लाया तो मंदिर के पुजारी भी आ गए, लेकिन तब तक लुटेरे भागने में सफल रहे। इसके बाद युवक ने डायल 100 के स्टाफ को सूचना देकर बुलाया। युवक की रिपोर्ट पर जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 392, 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

कथा वाचन विज्ञान फिक्शन कौशल विकास नवाचार प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

केसली, देशबन्धु। श्रम शक्ति महिला सेवा संस्थान सागर के तत्वाधान में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केसली में आदिवासी बालिकाओं के लिए पांच दिवसीय कथा वाचन विज्ञान फिक्शन कौशल विकास नवाचार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष जिला पंचायत एवं भारती भूपेंद्र सिंह ठाकुर सदस्य जिला पंचायत ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. दिवाकर राजपूत समाजशास्त्र विवि सागर एवं कार्यक्रम के विशेष अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य एमडी त्रिपाठी द्वारा की गई। कार्यक्रम के सभी सहभागियो द्वारा छात्राओं को विज्ञान कौशल विकास नवाचार एवं विज्ञान की लोकप्रियता बढ़ाने संबंधी चर्चायें, उदबोधन दिया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य महेन्द्र सिंह ठाकुर, प्राचार्य श्रीकृष्ण शर्मा उत्कृष्ट विद्यालय, छात्रावास अधीक्षक अनीता पाठक, लखन सिंह ठाकुर, राजेश कुमार जैन सहित समस्त शिक्षक उपस्थिति रहे।

सामाजिक, सांसारिक कार्य करने के साथ ही धार्मिकता को कभी नहीं छोड़ें: मुनिश्री

बीना, देशबन्धु। कई प्रकार के सामाजिक, धार्मिक, राष्ट्रीय और पारिवारिक महोत्सव होते हैं लेकिन जिनमें सभी लोग मिल जाए, ऐसे महोत्सव बहुत कम होते हैं पर हमारे शास्त्रों में इस बात का उल्लेख है कि हम इस प्रकार के महोत्सव मनाते रहना चाहिए। जब हम अपने बच्चों के जन्मदिन मनाते हैं, विवाह की वर्षगांठ मनाते हैं तो उसमें सब प्रकार के अनुष्ठान हो जाते हैं क्योंकि उसमें परिवार भी एकत्रित होता है। समाज भी एकत्रित होता है। यह विचार श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रवास कर रहे मुनि श्री सुव्रतसागर ने उपस्थित धर्म को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कोई धार्मिक अनुष्ठान करके हम भोजन आदि करते हैं तो सब कुछ हो जाता है। इसलिए अपने जन्मदिन अथवा अपने विवाह की वर्षगांठ पर ऐसे कार्यक्रम अवश्य करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार इन अवसरों पर सिद्ध विधान करना चाहिए। जब हम कोई अनुष्ठान करते हैं तो हमारे अंदर धार्मिक भावना अत्यंत प्रबल होती है। इसलिए अनुष्ठान करते रहना चाहिए। हमारे जैन शास्त्रों में किसी भी सामाजिक, सांसारिक कार्य को करने के लिए मना नहीं किया गया है, किंतु इस कार्य को करने के लिए हमें धार्मिकता को नहीं छोड़ना चाहिए। धार्मिकता को ध्यान में रखते हुए सांसारिक कार्यों को संपन्न करने वाला व्यक्ति कभी भी संसार में दीर्घकाल तक भटकता या दुखी नहीं होता है।

सिंधी समाज के प्रथम शिक्षाविद गोविंदराम मनवानी की पुण्य स्मृति में आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन

सागर, देशबन्धु। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सिंधी समाज के प्रथम गुरु गोविंदराम मनवानी की पुण्य स्मृति में आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन सागर में प्रथम बार जबलपुर से पधार रही बहन खुशबु नागपाल के सानिध्य में सत्संग का आयोजन आज सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। इस सत्संग में जिले भर से समाजजन शामिल होंगे। निरंकारी सागर जोनल इंचार्च नारायणदास निरंकारी ने बताया कि पृथ्वी पर आना जाना तो लगा ही रहता है पर जो लोग समाज के लिए कुछ कर जाते है उन्हें पीढियां याद करती है। गोविंदराम मनवानी सिंधी समाज के न केवल प्रथम गुरु थे बल्कि वे पकिस्तान में प्राचार्य के पद पर कार्य करने के बाद सागर में भी प्राचार्य के पद पर शासकीय सेवा में रहे उसके बाद जब सिंधी कॉलोनी सुभाष नगर प्राथमिक शाला खोली गयी तब उसमे भी मप्र शासन ने एक सरकारी स्कूल खोलकर उन्हें प्राचार्य नियुक्त कर पूरी स्कूल उनके जिम्मे कर दी। उनके आदर्श शिक्षण कार्य से प्रभावित होकर दूर-दूर के विद्यार्थी इस विद्यालय में अध्यन करने आते रहे।

पिपरिया खंगार गांव में तेंदुए की दहशत

सागर, देशबन्धु। नरयावली के पास ग्राम पिपरिया खंगार में तेंदुआ दिखने से गांव में दहशत का मौहाल है। लोग रात के समय घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने गांव और आसपास के क्षेत्रों में तेंदुए की सर्चिंग की है। हालांकि फारेस्ट टीम को तेंदुए का मूवमेंट नहीं दिखा है। ग्राम पिपरिया खंगार में वन विभाग की नर्सरी के पास ग्रामीणों ने तेंदुए को घूमते हुए देखा है। तेंदुआ होने की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान नर्सरी के पास वन विभाग की टीम को तेंदुए के पगमार्क मिले हैं। पगमार्क मिलने पर टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं रात के समय में अकेले घरों से बाहर निकलते समय सावधान बरतने का बोला गया है। वहीं वन विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में सर्चिंग कर रही हैं। तेंदुआ का मूवमेंट होने के कारण ग्रामीण खेतों में आने जाने से कतरा रहे हैं। रात के समय टोलियों में खेतों पर जा रहे हैं। ताकि फसलों की देखभाल कर सकें। वन विभाग के रेंजर शुभम जैन ने बताया कि पिपरिया खंगार में तेंदुए का मूवमेंट था। सूचना मिलते ही टीम गांव में पहुंची थी। जहां तेंदुए की सर्चिंग की जा रही है। तेंदुआ अब तक नजर नहीं आया है। बुधवार को भी टीम सर्चिंग कर रही है। अनुमान है कि तेंदुआ जंगल की ओर चला गया है। हो सकता है कि वह भटककर गांव की ओर आ गया हो। टीमें लगातार गांव के आसपास के क्षेत्रों में निगरानी कर रही हैं।

नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षकों को नहीं मिला वेतन, सौंपा ज्ञापन

राहतगढ़, देशबन्धु। विकासखंड शिक्षा अधिकारी को नवीन चयनित प्राथमिक शिक्षकों ने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्राथमिक शिक्षकों ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया कि उन्हें नियुक्ति दिनांक से अभी तक लगभग चार माह का वेतन प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे शिक्षकों की आर्थिक रुप से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संकुल प्राचार्य को भी कई बार मौखिक अवगत कर चुके हैं। लेकिन कुछ नहीं हुआ। जबकि प्रदेश सहित जिले के अन्य विकासखंड में ट्रेजरी कोड का आवंटन वेतन भुगतान होने लगा है। शिक्षकों ने जल्द वेतन दिए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में सौरभ जैन, मनीष जैन, रिंकू तिवारी, शिवांक दीक्षित, राहुल, श्रद्धा दुबे, वर्षा मालवीय, मो. रफी खान, ललित राय, शालिनी सिंह आदि शामिल रहे।

67 वीं राज्यस्तरीय शालेय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाये हुनर

सागर, देशबन्धु। 67 वीं राज्यस्तरीय शालेय एथलेटिक्स बालक/ बालिका 17-19 वर्ष एवं कूडो बालक-बालिका 14, 17, 19 वर्ष की प्रतियोगिता में बुधवार को खेले गये, खेल गये खेलो में आर्मी पब्लिक स्कूल कूडो बालक 14 वर्ष 27 कि.ग्रा. अनुभाव यादव सागर संभाग, 30 कि.ग्रा. आयुष प्रताप सिंह रीवा, 33 कि.ग्रा. सिद्धार्थ कुमार भोपाल, 36 कि.ग्रा. में पंकज सागर संभाग, 40 कि.ग्रा. में अंश जैसवाल जबलपुर संभाग, 44 कि.ग्रा. में चिराग इंदौर संभाग, 48 कि.ग्रा. में मानस भाटी सागर संभाग, 52 कि.ग्रा. में सौरभ सिंह सागर संभाग, 56 कि.ग्रा. में मौलक बडोनिया सागर संभाग, 56 कि.ग्रा. प्रथम कुमार रीवा संभाग रहे। कूडो बालिका 14 वर्ष 24 कि.ग्रा. में योगिता पटेल इंदौर संभाग, 30 कि.ग्रा. माही गोयल उज्जैन संभाग, 33 कि.ग्रा. आनुष्का पटेल जबलपुर संभाग, 36कि.ग्रा. में सुरभि रीवा संभाग, 40 कि.ग्रा. पलक पाटीदार उज्जैन संभाग, 44 कि.ग्रा. में संवौधी नायक सागर संभाग, 48 कि.ग्रा. में लवन्या इंदौर संभाग से, 52 कि.ग्रा. में परिधि भोपाल संभाग एवं कजरानी भगत रीवा संभाग रहे। 5000 मी. पैदल 19 वर्ष बालक वर्ग मे प्रथम दीपू तोमर ग्वालियर संभाग, द्वितीय रजत शर्मा इंदौर संभाग, तृतीय प्रताप कुश्वाहा सागर संभाग रहे। 5000 मी. पैदल 17 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम लव टेमरे जबलपुर संभाग, द्वितीय विवेक कुर्मी सागर संभाग, तृतीय स्थान अनिकेत प्रजापति ग्वालियर संभाग रहे। 3000 मी. पैदल 19

वर्ष बालिका वर्ग में प्रथम कृति भोपाल संभाग, द्वितीय प्रियांशी पांडे सागर संभाग, तृतीय स्थान निशा वर्मा इंदौर संभाग रही। 3000 मी. पैदल 17 वर्ष बालिका वर्ग में प्रथम राधा नरवारिया ग्वलियर संभाग, द्वितीय लक्ष्मी नर्मदापुरम संभाग, तृतीय स्थान इन्द्रा कुमारी जनजातीय रही। डिस्कस थौ 19 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम जिशान खान नर्मदापुरम संभाग, द्वितीय अश्विन जनजातीय, तृतीय स्थान आकाश उज्जैन संभाग रहे। डिस्कस थी 17 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम हेमन्त सिंह भोपाल संभाग, द्वितीय यशराज जैन जबलपुर, तृतीय स्थान आकाश राय जबलपुर संभाग रहे। डिस्कस थौ 19 वर्ष बालिका वर्ग में प्रथम गरिमा राठौर भोपाल संभाग, द्वितीय अन्जू मलावी जबलपुर संभाग, तृतीय स्थान अदिति राजपूत भोपाल संभाग रही। डिस्कस थौ 17 वर्ष बालिका वर्ग में प्रथम साक्षी उज्जैन संभाग, द्वित्तीय सुषमा रीवा संभाग, तृतीय स्थान आकांशी इंदौर संभाग रही। हर्डल्स. 110 मीटर 19 वर्ष बालक वर्ग प्रथम अश्विन जनजातीय, द्वितीय अमर भोपाल संभाग तृतीय स्थान भूपेन्द्र रीवा संभाग, हर्डल्स 100 मीटर 17 वर्ष बालक वर्ग प्रथम धीरज कुश्वाहा ग्वलियर संभाग, द्वितीय समल सिंह जनजातीय, तृतीय स्थान राजेन्द्र जनजातीय रहे। हर्डल्स. 100 मीटर 17 वर्ष बालिका वर्ग प्रथम नेहा साहू सागर संभाग, द्वितीय गोमती जनजातीय, तृतीय स्थान जीया पाठक जबलपुर संभाग रही। द्विपल जम्प.19 वर्ष बालक वर्ग प्रथम कृष्णा भोपाल संभाग, द्वितीय गौरव इंदौर संभाग तृतीय स्थान आदित्यांश जबलपुर संभाग रहे। हर्डल्स. 100 मीटर 19 वर्ष बालिका वर्ग प्रथम हर्षिता यादव नर्मदापुरम संभाग, द्वितीय जान्हवी भोपाल संभाग, तृतीय स्थान लक्ष्मी इंदौर संभाग रही। द्विपल जम्प 17 वर्ष बालक वर्ग प्रथम अपूर्व कुमार रीवा संभाग, द्वितीय दीपेश सागर संभाग तृतीय स्थान यश नर्मदापुरम संभाग रहे।

द्विपल जम्प 19 वर्ष बालिका वर्ग प्रथम दीप्ती भोपाल संभाग, द्वितीय राधा रीवा संभाग, तृतीय स्थान राधा पटेल इंदौर संभाग रही। द्विपल जम्प 17 वर्ष बालिका वर्ग प्रथम खुशबू इंदौर संभाग, द्वितीय चुनमन इंदौर संभाग, तृतीय स्थान प्रतिभा नर्मदापुरम संभाग रही। प्रतियोगिता के दौरान सीजे फिलिप, पूनम जैन, आर्जवर हेमन्त वर्मा, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग सागर मनीष वर्मा, जिला कीडा अधिकारी संजय दादर उपस्थित रहे।

लगातार हो रही चोरियों से उजागर हो गई पुलिस गश्त की सच्चाई

जिले में बढ रही चोरों की सक्रियता ने उड़ाई लोगों की रातों की नींद

छतरपुर, देशबन्धु। जिला मुख्यालय सहित अंचल में इन दिनों बडी तेजी से बढ गई चोरी की वारदातों ने लोगों की रातों की नींद उडा दी है। वहीं लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने पुलिस की रात्रि गश्त की पोल भी खोल कर रख दी है।

यूं तो पुलिस की ओर से इस बात का दावा किया जा रहा है कि रात में गश्त और रोड पेट्रोलिंग बराबर की जा रही है। मगर लगातार हो रही चोरी की वारदातों ने पुलिस के इन दावों की सच्चाई को उजागर कर दिया है। सही मायने में देखा जाये तो पुलिस की सारी कार्यवाही एक तरह से फोटो सेशन तक ही सीमित होकर रह गई हैं। जब भी पुलिस किसी भी तरह की कार्यवाही के लिये थानों से निकलती है तो फोटो खींचने के लिये कैमरे और इंटरनेट मीडिया पर लाइव टेलीकास्ट करने वालों को बाकायदा साथ ले जाया जाता है। इस तरह से दिखावे की गश्त और पेट्रोलिंग करके पुलिस अपनी कार्यवाही पूरी कर लेती है। देखने वाली बात तो ये है कि पुलिस के थानों में वापस लौटते ही चोर सक्रिय हो जाते हैं। इसके बाद पूर्व से रैकी किये घरों और दुकानों के ताले तोडकर लाखों रुपये कीमती माल को चुराकर भाग निकलते हैं। तेजी से बढ रही चोरी की घटनाओं के कारण लोगों का दिन का चैन छीन गया है और रातों की नींद जरूर उड गई है।

बात छतरपुर की करें तो यहां पन्ना रोड पर बनी पैराडाइज कालोनी में एक जैन परिवार के सूने घर के ताले तोडकर करीब 10 लाख रूपये का सामान चुराकर पुलिस के दावों की पोल खोलकर रख दी है। बुधवार को पैराडाइज कालोनी के लोगों ने हाल में हुई इस बडी चोरी और पूर्व में हो चुकी दो अन्य चोरियां जो आज तक अनसुलझी हैं, उनको लेकर एसपी को ज्ञापन देकर चोरियों का खुलासा करने और चोरी का वारदातों पर रोक लगाने की मांग की है।

चोरी की नई वारदात बमीठा थाने के अंतर्गत मंगलवार बुधवार की दरम्यानी रात को बमीठा में ही छवि ज्वैलर्स में हुई है। यहां ओवरब्रिज के पास ओमप्रकाश सोनी और संतोष सोनी सीलोन वालों की छवि ज्वैलर्स के नाम से दुकान संचालित है। वे रोज की तरह दुकान में ताले लगाकर किसी काम से छतरपुर गये थे। इस मौके का फायदा उठाकर चोरों ने दुकान में सेंधमारी की और अंदर घुस गये। चोर दुकान से करीब डेढ करोड रूपये का सामान समेटकर भाग निकले। दुकान संचालक संतोष सोनी ने बताया कि चोर दुकान से 20 किलो चांदी, 10 तोला सोना और 50 हजार रूपये नगद सहित कुल डेढ करोड रूपये का सामान ले गये हैं। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस फोटो खिंचाने तक गश्त, चैकिंग न करके सही मायने में रात में सुनसान सडकों की पहरेदारी करती तो चोरी की घटनायें होती ही नहीं।

नहीं मिला राजनगर की बडी चोरी का सुराग

राजनगर थाने के अंतर्गत 10 दिसंबर की रात चोरों ने विनोद सोनी और ओमप्रकाश सोनी की दुकानों को निशाना बनाया। चोरों ने दोनों दुकानों के ताले तोड़कर लाखों रूपये का सामान चुरा लिया था। एक दुकान से 10 किलो चांदी, 10 ग्राम सोना और दूसरी दुकान से करीब 15 किलो चांदी और 30 ग्राम सोना सहित नगद रूपये भी चुराये थे। इस वारदात के बाद चोर दो बाइक भी चुराकर उन्हीं से भाग निकले। इन वारदातों का पुलिस को अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। यहां भी पुलिस तरह तरह के दावे करने में पीछे नहीं है। पुलिस की भूमिका के प्रति आमजन में अविष्वास और असंतोष उपज रहा है।

सार समाचार

त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित

छतरपुर, देशबन्धु। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। घोषित कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत छतरपुर, नौगांव, राजनगर, गौरिहार, बिजावर और लवकुशनगर के अंतर्गत 58 पंच पदों का निर्वाचन मतपत्र से और जनपद राजनगर अंतर्गत 1 जनपद पंचायत सदस्य पद का निर्वाचन ईव्हीएम से कराया जायेगा। बताया गया है उप निर्वाचन की सूचना, आरक्षण की सूचना और मतदान केन्द्र की सूची का प्रकाशन 15 दिसम्बर को प्रात: 10.30 से अपरांह 3 बजे तक किया जाएगा। नाम निर्देशन पत्र 22 दिसम्बर तक मिलेंगे। इनकी नाम जांच 23 दिसम्बर को प्र होगी और नाम वापसी 26 दिसम्बर को अपरांह 3 बजे तक हो सकेगी। मतदान 5 जनवरी 2024 को प्रात: 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक कराया जाएगा। पंच पद की मतगणना मतदान समाप्ति के बाद और जनपद सदस्य पद के लिए मतगणना खण्ड मुख्यालय पर ईव्हीएम से 9 जनवरी को प्रात: 8 बजे से कराई जयेगी। पंच सारणीकरण-परिणाम की घोषणा 11 जनवरी को प्रात: 10.30 बजे से और जनपद सदस्य सारणीकरण परिणाम की घोषणा 9 जनवरी को प्रात: 10.30 बजे से की होगी।

शिविर में किया राजस्व समस्याओं का निराकरण

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर के निर्देशन में जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा पंचायतों में राजस्व समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रास्ता विवाद, पीएम किसान सम्मान निधि सम्बंधित मामलों एवं सीएम हेल्पलाइन का मौके पर निराकरण किया गया है। इसी क्रम में बक्सवाहा के ग्राम चौरई में राजस्व शिविर लगाया गया जिसमें 6 नामांतरण एवं 4 बीपीएल प्रकरणों का निराकरण किया गया। घुवारा में गरीब महिला का बीपीएल कार्ड बनाया गया। ग्राम मनोरिया में पुराने प्रकरणों में आदेश पारित कर आवेदकों को आदेश की प्रति उपलब्ध कराई गई। इसी तरह ग्राम जाखरोन कला सटई, गौरिहार एवं चंदला तहसील के ग्राम भवानीपुर और बछोन में भी राजस्व शिविर आयोजित करके आमजनों की राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया।

शहर में प्रवेश करने वाले रेत से भरे ट्रैक्टरों पर होगी कार्यवाही

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जीआर अवैध रूप से रेत लादकर छतरपुर शहर की सीमा में प्रवेश करने वाले ट्रैक्टरों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

इसके निर्देश देते हुए कलेक्टर ने खनिज अधिकारी से कहा है कि रेत से भरे ट्रैक्टर शहर में प्रवेश न करें। इस संबंध में बैरियर बनाएं। जहां भी ऐसे ट्रैक्टर खड़े होते है उनकी चेकिंग की जाए। कमी मिलने तुरंत जब्ती की जाए। कलेक्टर ने सहायक कलेक्टर को निर्देश दिए कि शासकीय कार्यालयों के बाहर दलाली करने वालों की पहचान कर उन पर कड़ी कार्यवाही करें। कलेक्टर ने जिलें में गुड गर्वेनेंश के इंटीगेटर ओर रैंकिंग की समीक्षा की। साथ ही इंशीनेटर प्लांट लगाने प्रस्ताव भेजेंने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्टर संदीप जीआर ने सीएमएचओ को स्वास्थ्य केन्द्रों में जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर बॉयोमेडिकल वेस्ट को नष्ट करने के लिए इंशीनेटर प्लांट लगाने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां प्लांट बंद हैं, उन्हें चालू कराएं। इसके साथ ही कलेक्टर ने डीपीसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि माध्यान्ह भोजन में लापरवाही नहीं चलेगी। उन्होंने कहा जहां क्वालिटी और मीनू अनुसार भोजन न रहे वहां के संबंधित बीआरसी पर कार्यवाही करें। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था के साथा भोजन पकाने और परोसने के संबंध में ब्लॉक स्तर पर ट्रैनिंग रखने के निर्देश दिए।

3 सप्ताह में 3548 लोगों के चालान कर 11 लाख 70 हजार 6 सौ रुपये वसूले

छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

इस विशेष अभियान के तहत 3 सप्ताह के अंदर कुल 3548 चालान काटकर 11 लाख 70 हजार 600 रुपए का समन शुल्क वसूलकर शासकीय कोष में जमा कराया गया है। यातायात थाना प्रभारी दलबीर सिंह मार्को ने बताया कि घने कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। वाहन चालकों को पम्पलेट वितरित करके जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए पुलिस अधीक्षक छतरपुर अमित सांघी के निर्देशन में जिले के सभी थानो में यातायात जागरूकता का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। घने कोहरे से कारण दुर्घटना से बचाव के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है। साथ ही लोगों को वाहनों में विजिबिलिटी के लिए रिफ्लेक्टर और रेडियम लगवाने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

थाना यातायात एवं जिले के सभी थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रथक प्रथक चेक प्वाइंटों पर पुलिस टीम द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही है। दो पहिया वाहन बिना हेलमेट एवं चार पहिया वाहन बिना सीट बेल्ट के ड्राइविंग कर रहे वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त चालानी कार्यवाही की जा रही है। यातायात थाना प्रभारी ने बताया 20 नवंबर से 11 दिसम्बर तक विशेष अभियान के 3 सप्ताह के अंदर ड्राइविंग के दौरान हेलमेट धारण न करने वाले 3027 दो पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर 9 लाख 10 हजार 100 रुपए एवं सीट बेल्ट का प्रयोग नहीं करने वाले 521 चार पहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर 2 लाख 60 हजार 500 रुपए समन शुल्क सहित कुल 3548 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए 11 लाख 70 हजार 600 रुपये शासकीय कोष में जमा किया गया।

प्रचार रथ से गांव-गांव में लोगों को दी जा रही योजनाओं की जानकारी

छतरपुर, देशबन्धु। इन दिनों जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रचार रथ गांव गांव जाकर लीगों को योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं।

इन रथों में एलईडी स्क्रीन और स्पीकर के माध्यम से केन्द्रीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने और नवाचारी योजनाओं से विकास के बारे में जानकारी दी जा रही है। कलेक्टर संदीप जीआर द्वारा विभागों के अधिकारियों को कैम्प लगाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। जिन योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है उनमें पेंशन, स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य मेला, आयुष्मान कार्ड, कृषि से संबंधित स्टाल, स्व सहायता समूहों के स्टाल, बैंकिंग क्षेत्र के स्टाल और आदिवासी विकास विभाग से संबंधित योजनाएं शामिल हैं। ये रथ जिले के ग्राम सिंहपुर, बाजाखेड़ा, शिकारपुरा, कूड़, महाराजपुर, खिरवा, अनगौर एवं नौगांव सहित कई गांवों में जाकर आमजन को योजनाओं के बारे में जानकारी दे चुके हैं।

गांवों के लिये खास है योजनाएं

ग्रामीण इलाकों के लिये प्रमुख योजनाओं में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अत्योदय, प्रधानमंत्री उज्ज्वला, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वामत्वि, जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन, प्रधानमंत्री प्रणाम, नैनो फर्टिलाइजर योजनाओं की जानकारी दी गई है। साथ ही जनजातीय परिवारों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में सिकल सेल एनीमिया निवारण मिशन, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में प्रवेश, स्कॉलरशिप, वन अधिकार, वन-धन विकास केन्द्र के बारे में भी लोगों को बताया जा रहा है।

पचमढ़ी से ठंडा नौगांव

4 डिग्री गिरा एक रात का न्यूनतम तापमान , आज और कल ऐसा ही रहेगा ठंड का असर

नौगांव-छतरपुर, देशबन्धु। बादलों का छंटना शुरू हुआ समूचा मध्य प्रदेश बर्फीली हवाओं से कंपकंपाने लगा कहने को तो हिल्स स्टेशन मध्य प्रदेश का कश्मीर पचमढ़ी है लेकिन मंगलवार की रात नौगांव से ठंडी वह भी नहीं थी । सबसे ठंडा लगातार दूसरे दिन राजगढ़ रहा तो नौगांव में भी एक रात में चार डिग्री न्यूनतम तापमान गिरने से एक सीजन का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। प्रदेश में दूसरा और पचमढ़ी तीसरा ठंडा शहर दर्ज हुआ। मौसम विभाग की माने गुरूवार और शुक्रवार भी तापमान में ओर गिरावट दर्ज देखी जा सकती है या फिर यथावत रहेगा कह सकते है पहाड़ी हवाओं से कंपकंपाने का दौर अब शुरू हो रहा है।

समूचे मध्य प्रदेश में अब ठिठुरन दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है बढ़े भी क्यो न दूसरा सप्ताह बीतने को है ओर दिसम्बर मध्य से जनवरी द्धितीय तक मध्य प्रदेश के मैदानी इलाका में जबरजस्त ठंड देखने को मिली है और रिकार्ड दर रिकार्ड हालत यह बनते है वह न केवल मध्य प्रदेश के सबसे ठंडे शहर होते है बल्कि देश और विश्व के ठंडे शहरों में शुमार हो चुके है।

क्यों सता रही अब ठंड -बादल का छंटना जारी है तो सर्द हवाओ की कंपकंपी बढ़ाने वाली ठंड खासतौर से सूर्य अस्त के बाद पैदा कर दी है उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है इसका असर मध्य प्रदेश में देखने को मिलेगा। आगामी दो दिन बाद फिर थोड़े से बादल छा सकते है ओर न्यूनतम तापमान में सुधर होगा लेकिन इतना भी सुधार नहीं होगा तापमान दस डिग्री के ऊपर चला जाये और रात को भी लोग राहत ले पाये । हालांकि पश्चिमी विक्षोभ है उससे बारिश की संभावना नहीं है अधिकतम तापमान 25-26 डिग्री के आसपास रहेगा और जैसे ही पश्चिमी विक्षोभ निकेलगा तो ठंड का ओर असर ओर व्यापक नजर आयेगा।

प्रदेश के तीन सबसे ठंडे शहर -बात अगर मध्य प्रदेश की जाये तो आज लगातार दूसरे दिन राजगढ़ प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा । जहां पर न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री दर्ज हुआ। सोमवार की रात यह तापमान 8.8 डिग्री दर्ज हुआ । मध्य प्रदेश का दूसरा सबसे ठंडा शहर छतरपुर जिले का नौगांव रहा जहां न्यूनत तापमान 7.8 डिग्री दर्ज हुआ सोमवार की रात यह 11.5 डिग्री दर्ज हुआ था। एक रात में चार डिग्री की गिरावट दर्ज हुई । प्रदेश के तीसरे सबसे ठंडे शहर की बात करे तो पचमढ़ी का न्यूनतम तापमान मंगलवार 8.8 रहा जो सोमवार की रात भी 8.8 डिग्री रहा । कह सकते है सोमवार और मंगलवार की रात राजगढ़ के तापमान में मामूली सी गिरावट दर्ज गयी। पचमढ़ी का तापमान यथावत रहा नौगांव के पारे में चार डिग्री की गिरावट एक साथ दर्ज की गयी और मध्य प्रदेश का दूसरा सबसे ठंडा मंगलवार की रात दर्ज हुआ। आगामी बुधवार और गुरूवार भी जबरजस्त ठंड देखने को मिलेगी और फिर शुक्रवार को थोड़ी सी राहत बादलों के कारण नजर आयेगी। बादल छंटते ही आगामी दिनों में तापमान ऐसा ही रहने की उम्मीद है और जैसे ही तीसरा सप्ताह के मध्य तक न्यूनतम तापमान और गिरावट देखने को मिल सकती है कह सकत है कि नौगांव जिस ठंड के लिये विख्यात है उसका दौर धीरे धीरे ही सही अब शुरू हो गया और मंगलवार की रात प्रदेश का दूसरा सबसे ठंडा शहर दर्ज हुआ जब एक रात में जबरस्त गिरावट देखने को मिली ।

गडबडी मिलने पर दो दुकानों के लाइसेंस निलंबित

छतरपुर, देशबन्धु। बुधवार को उपसंचालक कृषि डा बीपी सूत्रकार ने जिले में कई उर्वरक और बीज विक्रय करने वाली दुकानों का निरीक्षण किया है। इस दौरान शिवानी चौरसिया के नाम से महाराजपुर स्थित दुकान मां किसान सेवा केन्द्र का मुआयना किया। दुकान में उर्वरक विक्रय व भंडारण सहित स्टाक से संबंधित दस्तावेज नहीं मिले तो उन्होंने तत्काल प्रभाव से दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दिया है।

महालक्ष्मी मंदिर में आयोजित गायत्री महायज्ञ में उमड़े हजारों श्रद्धालु

बड़ी संख्या में साधकों ने ली गायत्री दीक्षा, पूर्णाहुति के साथ भंडारा सम्पन्न

छतरपुर, देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा अग्रवाल समाज के सहयोग से सरानी गेट बाहर स्थित सिद्धपीठ महालक्ष्मी मंदिर में 10 दिसंबर से चल रहे 24 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ की दीक्षा संस्कार और भंडारे के साथ बुधवार को महापूर्णाहुति हो गई। अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार से आए अखिल विश्व गायत्री परिवार के टोली नायक नमोनारायण पाण्डे, सहायक टोली नायक खिलावन सिन्हा के साथ युग गायक रामवीर नेगी, तबला वादक अभय श्रीवास और दयानंद यादव द्वारा बुधवार को सुबह से भारतीय परिधानों में श्रद्धालुओं को दीक्षा संस्कार सम्पन्न कराए गए। इसके बाद राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ के 24 कुंडों में सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा आहुतियां दी गई। श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने की वजह से कई पारियों में यह क्रम चलता रहा। इस अवसर पर भंडारे में प्रसाद वितरण का सिलसिला भी निरंतर चलता रहा।

महायज्ञ का क्रम पूर्ण होने पर राष्ट्र की खुशहाली की कामना करते हुए महापूर्णाहुति दी गई। महापूर्णाहुति होने के बाद अखिल विश्व गायत्री परिवार के टोली नायक नमोनारायण पाण्डे ने सभी श्रद्धालुओं के सहयोग और जिले के गायत्री परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। अग्रवाल समाज की ओर से हरिप्रकाश अग्रवाल और उनकी टीम ने शांतिकुंज हरिद्वार को टोली के साथ गायत्री परिवार के जिले के साथियों को महालक्ष्मी मंदिर प्रांगण में महायज्ञ सम्पन्न कराने पर साधुवाद दिया। इस महायज्ञ में हवन सामग्री आदि की उपलब्धता गायत्री परिवार द्वारा कराई गई।

दीक्षा संस्कार में केवल उन्हें शामिल किया गया जो भारतीय परिधान धारण कर पहुंचे थे। इस अवसर पर सत्साहित्य वितरण केंद्र मौके पर खोलकर श्रद्धालुओं को 100 रुपए से अधिक की पुस्तकें खरीदने पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई। पूजन सामग्री के स्टॉल भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महायज्ञ स्थल पर लगाए गए थे।

पुलिस अधीक्षक ने किया पुलिस लाइन और ई-लर्निंग सेंटर लाइब्रेरी का निरीक्षण

छतरपुर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अमित सांघी द्वारा पुलिस लाइन परिसर में पुलिस लाइन का निरीक्षण किया गया। साथ ही पुलिस परिवार के छात्रों के अध्ययन के लिए स्थापित ई-लर्निंग सेंटर लाइब्रेरी का भी जायजा लिया है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर की सभी शाखाओं, पुरुष एवं महिला बैरक को देख, पुलिस लाइन में रहने वाले पुलिस कर्मियों की आवश्यकताएं जानीं। इसके साथ उन्होंने छात्र-छात्राओं को नवीनतम पाठ्य पुस्तकें भी उपलब्ध करवाई। ई-लर्निंग सेंटर लाइब्रेरी में रजिस्टर, अध्ययन हेतु पाठ्य पुस्तकें, सभी कंप्यूटर सिस्टम, संसाधन का निरीक्षण करते हुए अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं से चर्चा भी की। इसके साथ ही उन्हीने ई लर्निंग सेंटर के विस्तारीकरण एवं अन्य संसाधनों जैसे सीसीटीवी कैमरा एवं अन्य आधुनिक डिवाइस की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए। इस दौरान एएसपी विक्रम सिंह, रक्षित निरीक्षक पूर्णिमा मिश्रा, उप निरीक्षक हेमंत नायक, सूबेदार प्रभा सिलावट सहित अन्य शाखाओं के संबंधित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सागर, गुरूवार 14 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

संसद भवन की सुरक्षा में बड़ी सेंध

एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पार्टी के दो नवनिर्वाचित मुख्यमंत्रियों- मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव और छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत कर रहे थे, उसी दौरान नए संसद भवन को चार लोगों ने अपने निशाने पर ले लिया। इन लोगों ने लोकसभा के भीतर रंगीन धुआं छोड़ दिया। लोकसभा में दर्शक दीर्घा से दो लोगों ने छलांग लगाकर साबित कर दिया कि देश की सबसे बड़ी पंचायत अब भी वैसी ही असुरक्षित है जिस प्रकार आज से ठीक 22 साल पहले थी जब इसी दिन पुराने भवन पर एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था। संयोग से तब भी भाजपा की ही सरकार थी। हालांकि उस घटना और आज के घटनाक्रम के स्वरूप में बड़ा फर्क है लेकिन जो बात स्पष्ट तौर पर उभरकर आई है, वह यही कि सुरक्षा अब भी एक बड़ा मुद्दा है।

दोपहर करीब एक बजे आसंदी पर वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र अग्रवाल विराजमान थे और पश्चिम बंगाल के माल्हदा के सांसद खरगेन मुर्मु अपने सवाल पूछ रहे थे। तभी एक व्यक्ति दर्शक दीर्घा से कूद पड़ा और नारे लगाता हुआ एक से दूसरी बेंच पर छलांगें लगाने लगा। वह अपने जूते से रंगीन धुंआ छोड़ने वाला स्प्रे निकालने के लिये प्रयासरत भी दिखा। उसके पीछे-पीछे एक महिला ने भी छलांग लगा दी। वे लोग नारेबाजी कर रहे थे। सदन में तैनात मार्शल तो बाद में हरकत में आये, कांग्रेस और बसपा के सांसदों ने घेराबन्दी कर उन्हें पकड़ लिया। तत्पश्चात मार्शलों के द्वारा वे पुलिस के हवाले कर दिये गये। इनकी जो शिनाख्त की गई है उसके अनुसार महिला का नाम नीलम (42) है, जो हिसार के रेड स्केवर की बताई गई है। दूसरा लातूर (महाराष्ट्र) का अमोल शिंदे (25) है। जब पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर ले जाया जा रहा था, वह महिला 'तानाशाही नहीं चलेगी', 'तानाशाही बन्द करो', 'मणिपुर में महिलाओं के साथ अत्याचार बन्द करो' जैसे नारे लगा रही थी।

यह समझने की बात है कि ये चारों पेशेवर अपराधी या प्रशिक्षित आतंकवादी नहीं हैं, बल्कि देश के मौजूदा हाल से त्रस्त आम आदमी के नुमाइंदे हैं। जिस तरह भगत सिंह ने असेंबली में बम फेंक कर अंग्रेजी हुकूमत के कानों तक विरोध की आवाज पहुंचाई थी, यह उसी तरह का काम था। हालांकि देश अब आजाद है और अपनी आवाज पहुंचाने के दसियों वैध तरीके हैं, इसलिए इस तरह के काम को किसी भी नजर से सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि यह सरकार के लिये सबक है कि लोगों को व्यथित करने वाले मुद्दों को संवेदनशीलता और वरीयता के साथ डील करना सीखे।

बेशक सुरक्षा में इस बड़ी खामी के जिम्मेदार सीधे-सीधे गृह मंत्री अमित शाह हैं। इन लोगों द्वारा किये गये इस कृत्य का वास्तविक उद्देश्य क्या था, यह तो पूछताछ से ही सामने आ सकेगा परन्तु जिस तरीके से सुरक्षा कवच को भेदा गया है वह अत्यंत चिंताजनक है। बताया जा रहा है कि ये चारों लोग मैसूर के भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के पास पर संसद भवन के भीतर घुसे थे। इस घटना को इसलिये भी बड़ी चिंता का सबब मानना चाहिये क्योंकि वह दर्शाती है कि दो दशक पहले संसद भवन पर हुए हमले के बावजूद अब भी सरकार नहीं चेती है। कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पुष्टि की कि दोनों के पास रंगीन धुंआ छोड़ने वाले कुछ उपकरण भी थे। उन्होंने भी सुरक्षा में इसे गम्भीर चूक बतलाया है। समाजवादी पार्टी की सदस्य डिंपल यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह अच्छा हुआ कि कोई बड़ी घटना नहीं हुई।

इसे पहले (2001) के मुकाबले इसलिये कोई कम बड़ा हादसा नहीं कहा जा सकता क्योंकि उस घटना में हमला बाहर ही हुआ था। उस समय हमलावरों को पुलिस बल तथा सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी का परिचय देते हुए भीतर आने के पहले ही रोक दिया था। उन्हें अंदर तक न पहुंचने देने में कुछ पुलिस वालों ने अपनी जान तक न्यौछावर कर दी थी। तब सुरक्षाकर्मियों समेत 9 लोगों की जान गई थी। इस घटना में यह खैर रही कि वे कोई खतरनाक वस्तु लेकर अंदर नहीं आए। इससे सांसदों की जान को खतरा भी हो सकता था।

उल्लेखनीय है कि कुछ अरसा पहले से ही नये संसद भवन का इस्तेमाल हो रहा है जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने किया था। बड़ी इवेंटबाजी के साथ प्रारम्भ हुए इस नये भवन का यह पहला ही शीतकालीन सत्र है। इस पर सजावट आदि पर तो खूब खर्च हुआ है, मोदी ने संविधान व राजदण्ड के प्रतीक सेंगोल वगैरह लाने के प्रपंच भी खूब रचे थे लेकिन लगता है कि सुरक्षा जैसे बेहद अहम मुद्दे पर उसका ध्यान नहीं है। फिर, यह सरकार हमेशा देश के सुरक्षित हाथों में होने की जो बात करती रही है, उसकी भी पोल खुल गई है। यह घटना बतलाती है कि सरकार की सुरक्षा व्यवस्था बेहद लचर है और देश के सांसद तक असुरक्षित हैं।

सबसे शर्मनाक मंज़र पेश किया वहां मौजूद मीडिया ने। रंगीन धुआं छोड़ता उपकरण पहले एक चैनल वाले के हाथ में लग गया जिसे उसने लाइव दिखाना शुरू कर दिया। टीआरपी की अपार सम्भावना को भांपते हुए तथा अन्य से पिछड़ने की आशंका के चलते चैनल वालों के बीच उसे लेकर शर्मनाक छीना-झपटी हुई। कोई भी अवसर को चूकना नहीं चाहता था जबकि वह उपकरण घटना का एक महत्वपूर्ण साक्ष्य था जिसका इस मामले की फोरेंसिक जांच-पड़ताल के लिये बहुत महत्व है।

बहरहाल, भाजपा के शासन में संसद पर हुए इस एक और हमले के बाद अब यह सवाल और महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या देश वाकई मजबूत हाथों में है।

सब कुछ धुंधला है

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

सब कुछ धुंधला है, धुंधला है, मैं सारे ये गम भुला के घूम रहा, ये गीत पिछले साल आए एक अलबम का है और युवाओं के बीच खासा मशहूर है। इस गीत की जो शुरुआती पंक्तियां हैं, वो देश की सियासत और देश के भविष्य की सटीक बयानी कर रही हैं। राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक तौर पर हम क्या थे, क्या बनाए जा चुके हैं और अब आगे कैसे होंगे, इस बारे में विचार करें तो वाकई सब धुंधला ही नजर आएगा। आज से 20-30-50 साल पहले के भारत को देखें और आज से उसकी तुलना ईमानदारी से करें तो पता चलेगा कि कैसे संविधान में वर्णित मूल्यों को बड़े शातिराना तरीके से किनारे करते हुए हिंदुत्व की जड़ें गहरी की गईं, फिर देश में नफरत की अमर बेल फैलाई गई और अब समाज में जो स्पष्ट विभाजन हो चुका है, उसे सामान्य साबित किया जा रहा है। और इसका दोष अकेले भाजपा या संघ पर नहीं डाला जा सकता, इस देश के जितने राजनैतिक दल हैं, कांग्रेस समेत, वो सब इसमें भागीदार रहे हैं। क्योंकि अगर भाजपा ने 90 के दशक में ऐलान किया था कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तो बाकी दलों ने भी अपनी कमियों और कमजोर फैसलों के कारण यह सुनिश्चित किया कि भाजपा मंदिर वहीं बनाए और केवल यहीं पर न रुके, बल्कि जम्मू-कश्मीर, मथुरा, काशी और इस तरह के तमाम मंसूबे जो नागपुर ने पाल रखे थे, उन्हें पूरा करके दिखाए।

देश में पिछले 10 सालों से भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है। ये पूर्ण बहुमत भाजपा को 2014 में 31 प्रतिशत वोट के साथ मिला और 2019 में 38 प्रतिशत वोट के साथ। कांग्रेस समेत बाकी दल यही कहकर खुश होते रहे कि भाजपा को बहुमत मिलने के बावजूद बचे 60-70 प्रतिशत वोट हमारे पास रहे। लेकिन इन वोटों के बावजूद सत्ता क्यों नहीं मिली, क्यों विधानसभा चुनावों में जीत नहीं मिली, इस पर कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। ये विचारधारा और राजनैतिक प्रतिबद्धता का धुंधलापन है, जिसे केवल भाजपा को भला-बुरा कहकर दूर नहीं किया जा सकता। उसके लिए विपक्षी दलों के पास स्पष्ट नजरिया होना चाहिए। खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि हाल में मिली विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद अपने प्रदर्शन को लेकर कोई गंभीर मंथन कांग्रेस में दिखाई नहीं दे रहा है। अभी कांग्रेस इसी में खुश है कि भाजपा को मुख्यमंत्री तय करने में एक हफ्ते से अधिक वक्त लग गया। भाजपा ने तीनों राज्यों में एकदम से नए चेहरों को लाकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया है, तो अब भाजपा में बगावत हो सकती है, इसी ख्याल से कांग्रेस प्रसन्न हो रही है। इसी को वैचारिक दिवालियापन या प्रतिबद्धता की कंगाली कहते हैं।

ये सही बात है कि धुंधलापन भाजपा के स्तर पर भी है। अगर दृष्टिकोण की स्पष्टता होती तो मुख्यमंत्री चयन में इतना वक्त नहीं लगता। जीते हुए विधायकों को यह तय करने दिया जाता कि उन्हें किसे विधायक दल का नेता चुनना है। मगर सत्ता के केन्द्रीकरण के आदी हो चुके प्रधानमंत्री मोदी और उनके सिपहसालार अमित शाह किसी भी तरह अपनी पकड़ कमजोर नहीं करना चाहते। इसलिए तीनों राज्यों में पूर्व मुख्यमंत्रियों और अन्य दिग्गजों को प्रतीक्षा की कतार में छोड़कर नए चेहरों को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। अब ये मुख्यमंत्री खुद को उपकृत मानते हुए आलाकमान के सामने वफादारी साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद लोकसभा चुनाव की सभी सीटें अपनी पार्टी के खाते में करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा देंगे। 2014 के बाद से ऐसा ही हुआ है कि लोकसभा के बाद विधानसभा चुनावों में जीत मिली, फिर विधानसभाओं के जरिए राज्यसभा में पार्टी की ताकत बढ़ी, उसके बाद मनमाने फैसले लेने में आसानी हुई, फिर दोबारा लोकसभा में जीत मिली और फिर से विधानसभा चुनावों में जीत मिली है। यही क्रम चला तो अगले चुनाव यानी 2024 में भाजपा की जीत के दावे खारिज नहीं किए जा सकते। और अगर ये दावे सही हुए तो फिर उसके बाद के विधानसभा चुनावों में जीत की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। यानी एक जीत से दूसरी जीत का मार्ग प्रशस्त होगा। उससे भाजपा की ताकत बढ़ेगी, लेकिन क्या देश ताकतवर बन पाएगा। क्या भाजपा की ताकत से डर कर चीन अरुणाचल से लेकर लद्दाख तक अपने कब्जे के इरादे को छोड़ देगा, क्या भाजपा की ताकत रुपए की ताकत बढ़ा देगी, क्या हमारे देश के विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सम्मानजनक केंद्र बन जाएंगे, क्या खेतों में फसलें लहलहाने लगेंगी, क्या गंगा का मैल भाजपा की ताकत पाकर दूर हो जाएगा, क्या हिमालय की बर्फ इतनी सख्त हो जाएगी कि अपनी तराई में पल रहे गांवों की रक्षा कर सके, क्या हवा में घुला प्रदूषण भाजपा की आंधी से दूर हो जाएगा, क्या देश के युवाओं को नौकरी के लिए परीक्षा और नियुक्ति के इंतजार के जंजाल से आजादी मिल जाएगी। ऐसे सवालों की लंबी सूची है और जवाब तलाशने के लिए पिछले 10 सालों के भाजपा शासन को देखें तो निराशा ही होगी। जो काम 10 सालों में नहीं हुआ, वो अगले 10 सालों में भी कैसे हो पाएगा। कांग्रेस और बाकी सभी विपक्षी दलों को इन्हीं सवालों के साथ जनता के बीच जाना चाहिए।

> पिछले 10 सालों से भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार है। ये पूर्ण बहुमत भाजपा को 2014 में 31 प्रतिशत वोट के साथ मिला और 2019 में 38 प्रतिशत वोट के साथ। कांग्रेस समेत बाकी दल यही कहकर खुश होते रहे कि भाजपा को बहुमत मिलने के बावजूद बचे 60-70 प्रतिशत वोट हमारे पास रहे। लेकिन इन वोटों के बावजूद सत्ता क्यों नहीं मिली,इस पर कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया।

मगर अभी फिर से विमर्श के मुद्दे भाजपा ही दे रही है, वही नैरेटिव सेट कर रही है। जैसे अभी संसद में केन्दीय गृहमंत्री अमित शाह ने पं.नेहरू की जम्मू-कश्मीर को लेकर गलतियां बताईं। एक उलझे हुए जटिल ऐतिहासिक मुद्दे का अति सरलीकरण करते हुए बताया कि केवल दो दिन नेहरू रुक जाते तो पीओके बनता ही नहीं। अमित शाह ने ये बात बिल्कुल मोदीजी की तर्ज पर कही। जैसे नोटबंदी के लिए श्री मोदी ने कह दिया था कि इससे भ्रष्टाचार दूर होगा, आतंकवाद खत्म हो जाएगा, काला धन मिट जाएगा। और जब कांग्रेस के सांसद के घर 3 सौ करोड़ से अधिक की नगदी मिलती है, तो श्री मोदी इसे कांग्रेस का भ्रष्टाचार बताते हुए ये बिल्कुल भूल जाते हैं कि इतनी नकदी मिलने का मतलब है नोटबंदी फेल हो गई है। कांग्रेस सांसद से पहले यूपी में इत्र के व्यापारी के घर भी ऐसे ही रकम पकड़ाई थी, मप्र में कुछ सरकारी अधिकारियों के घर ऐसे ही नोट निकले थे। यानी भ्रष्टाचार एक पार्टी तक सीमित नहीं है और इतनी आसानी से नहीं मिट सकता, जैसा प्रधानमंत्री मोदी दावा करते आए हैं। ऐसे ही जम्मू-कश्मीर की समस्या केवल पीओके बनने या अनुच्छेद 370 के कारण नहीं हुई, उसके लिए बहुत सारे अन्य कारक भी जिम्मेदार रहे, जिनका जिक्र अमित शाह ने अपनी राजनैतिक सुविधा के लिए नहीं किया।

राहुल गांधी ने कहा भी कि अमित शाह इतिहास से अनजान हैं। मैं उनसे इतिहास जानने की उम्मीद नहीं कर सकता, उन्हें इसे दोबारा लिखने की आदत है...। बिल्कुल सही कहा। लेकिन इससे आगे होना ये चाहिए कि अगर अमित शाह या भाजपा इतिहास को दोबारा लिखने की कोशिश में हैं, तो कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल उस कोशिश को रोकने में जुट जाएं। ये काम तथ्यों को जनता के बीच पहुंचाने से होगा। दस सालों में ये दिख गया कि मीडिया भाजपा के साथ है, सोशल मीडिया पर भी उसी का जोर है। तो फिर एक ही तरीका बचा है कि जनता तक सीधी पहुंच कायम की जाए। टीवी चैनल में दो-चार प्रवक्ता एंकरों को जवाब देते हैं और फिर उसकी वाहवाही सोशल मीडिया पर होती है, इससे कुछ हासिल नहीं होना है। इस समय पूरे इंडिया गठबंधन को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो जनता के बीच जाकर उन्हें तथ्यों के साथ इतिहास बताएं, संविधान में दिए गए उनके अधिकारों को आसान भाषा में समझाएं और ये भी बताएं कि मंदिर-मस्जिद की लड़ाई में उनका कितना नुकसान हो चुका है और कितना नुकसान होगा। प्रो.मनोज झा, जवाहर सरकार, गौरव वल्लभ, आलोक शर्मा जैसे और लोग इंडिया को तलाशने होंगे, जो जनता को भाजपा की चालाकियां तथ्यों के साथ दिखा सकें। ये एक लंबी प्रक्रिया है, मगर राजनैतिक बदलाव जनता को साथ लिए बिना नहीं हो पाएगा। इसके अलावा कांग्रेस को सगों और ठगों का फर्क भी समझना होगा। क्या यह महज संयोग है कि कांग्रेस की हार के बाद ही शर्मिष्ठा मुखर्जी की अपने पिता प्रणव मुखर्जी पर लिखी किताब विमोचित होती है और उसके वही हिस्से मीडिया के जरिए चर्चा में आते हैं, जिन पर राहुल गांधी, सोनिया गांधी और राजीव गांधी की आलोचना की गई है। क्या शर्मिष्ठा मुखर्जी के साथ पी.चिदम्बरम की तस्वीर कांग्रेस आलाकमान सहज ढंग से लेंगे या इसमें छिपे संदेश को समझेंगे।

ये वक्त सारे गम भुलाकर घूमने का कतई नहीं है, कांग्रेस और इंडिया को देश में छाए धुंधलेपन को किसी न किसी तरह दूर करना ही होगा।

धारा 370 को सर्वोच्च न्यायालय ने किया निरस्त, पर अनेक मुद्दे रह गये अनुत्तरित

■ अरुण श्रीवास्तव

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 दिसंबर को अपने फैसले में संविधान की धारा 370 को निरस्त करने को बरकरार रखा, जिसके बहुआयामी निहितार्थ हैं। शीर्ष अदालत ने धारा 370 की उपधारा (बी) को हटा दिया, लेकिन उसने सीधे तौर पर यह घोषणा नहीं की कि धारा 370 का अस्तित्व समाप्त हो जायेगा। उपधारा (बी) के अस्तित्व समाप्त होने की पृष्ठभूमि में, यह माना जा सकता है कि धारा 370 अप्रचलित हो गई है और अस्तित्वहीन है।

बेशक, आरएसएस, भाजपा और मोदी जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली धारा 370 के प्रावधानों को निरस्त करने की अपनी योजना की सफलता का दावा कर सकते हैं और इसे 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक बड़ी राजनीतिक जीत के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर सकते हैं। परन्तु संभवत: हिंदू मध्यम वर्ग के मतदाताओं और भक्तों के एक वर्ग के मानस को प्रभावित करने में सफल होने पर, यह निकट भविष्य में राजनीतिक कार्रवाइयों और जवाबी प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला शुरू कर देगा।

पीठ ने फिर भी फैसला सुनाया कि 'जम्मू-कश्मीर की कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं है' और 1947 के विलय पत्र के माध्यम से उसने भारत संघ को 'पूर्ण रूप से और अंतत: आत्मसमर्पित' कर दिया था, और धारा 370 एक अस्थायी उपाय मात्र था। निश्चित रूप से यह जम्मू-कश्मीर के आम लोगों की गलती नहीं है कि उनके पास 'आंतरिक संप्रभुता' नहीं है जो अन्य राज्यों द्वारा प्राप्त संप्रभुता से अलग है। यदि जम्मू-कश्मीर ने पूरी तरह से और अंतत: आत्मसमर्पण कर दिया था, तो सरकार ने रक्षा, विदेशी मामलों और मौद्रिक लेनदेन को 370 के दायरे में क्यों रखा और बाकी सब कुछ स्थानीय प्रशासन पर छोड़ दिया, जिसे दिन-प्रतिदिन शासन करना था।

> सॉलिसिटर-जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि अगस्त 2019 में धारा 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर को दिया गया केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा केवल एक 'अस्थायी' उपाय था। उस वक्त सरकार ने कहा था कि वह उग्रवाद और आतंकवाद को खत्म करने के लिए यह कदम उठा रही है। अब मोदी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या आतंकवाद खत्म हो गया है, विशेषकर इसलिए कि सरकार द्वारा उठाये गये कदम को अस्थायी बताया गया था।

ऐसी स्थिति में सभी निर्णय और प्रशासनिक कार्रवाइयां अप्रासंगिक मानी जायेंगी और उनकी कोई संवैधानिक या कानूनी वैधता नहीं होगी। संप्रभुता एक व्यापक शब्द है और यह भारतीय संदर्भ तक ही सीमित नहीं है। वास्तव में यह एक राजनीतिक अवधारणा है जो प्रमुख शक्ति या सर्वोच्च सत्ता को संदर्भित करती है। राजशाही में, सर्वोच्च शक्ति 'संप्रभु' या राजा में निहित होती है। आधुनिक लोकतंत्रों में, संप्रभु शक्ति लोगों के पास होती है और इसका प्रयोग प्रतिनिधि निकायों के माध्यम से किया जाता है। जाहिर है कि जम्मू-कश्मीर में एक विधानसभा थी, इसके सदस्यों का चुनाव राज्य की जनता द्वारा किया जाता था।

इसमें कोई संदेह नहीं कि राष्ट्रपति ने इसे रद्द करने का आदेश दिया। लेकिन उन्होंने गणतंत्रीय लोकतंत्र की रीतियों और मर्यादाओं का पालन करते हुए मोदी सरकार की कैबिनेट के सुझाव पर इसे मंजूरी दे दी। इससे यह भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि मोदी सरकार ने किसी गलत इरादे से यह कवायद नहीं की, बल्कि सरकार ने साफ शब्दों में सर्वोच्च न्यायलय को अपनी मजबूरियां बताईं, पर न्यायालयी आदेश में मजबूरी नहीं झलकती है।

चूंकि इस मामले में मोदी सरकार ने अपने कैबिनेट फैसले के साथ राष्ट्रपति से संपर्क किया था, जाहिर है, 'राष्ट्रपति को इस धारा के दूसरे प्रावधान के तहत राज्य सरकार की ओर से कार्य करने वाली राज्य सरकार या केंद्र सरकार की सहमति सुरक्षित करने की आवश्यकता नहीं थी।' 370(1)(डी) संविधान के सभी प्रावधानों को जम्मू और कश्मीर में लागू करते समय, क्योंकि शक्ति का ऐसा प्रयोग धारा 370(3) के तहत शक्ति के प्रयोग के समान प्रभाव रखता है, उसके लिए राज्य सरकार की सहमति या सहयोग आवश्यकता नहीं थी।'

सॉलिसिटर-जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया था कि अगस्त 2019 में धारा 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर को दिया गया केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा केवल एक 'अस्थायी' उपाय था। उस वक्त सरकार ने कहा था कि वह उग्रवाद और आतंकवाद को खत्म करने के लिए यह कदम उठा रही है। अब मोदी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या आतंकवाद खत्म हो गया है, विशेषकर इसलिए कि सरकार द्वारा उठाये गये कदम को अस्थायी बताया गया था। गृह मंत्रालय द्वारा राज्यसभा में जारी एक हालिया बयान में स्वीकार किया गया है कि जम्मू और कश्मीर में 2018 से 2022 के बीच 761 आतंकवादी घटनाएं देखी गईं। इन सभी हमलों में 174 नागरिकों की मौत हुई है। इसके अलावा राज्य में राजनीतिक अस्थिरता भी बनी हुई है। मोदी सरकार ने नेताओं का भरोसा खो दिया है। इनमें से कई लोग घर में नजरबंद रह रहे हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान पीठ के न्यायाधीशों में से एक ने धारा 370 के निरस्तीकरण को बरकरार रखते हुए कम से कम 1980 के दशक से जम्मू-कश्मीर में 'राज्य और राज्य के बाहर के सक्रिय' तत्वों द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच करने और 'सुलह के उपायों' की सिफारिश करने के लिए 'सच्चाई और सुलह आयोग' की स्थापना की सिफारिश की। यह कहते हुए कि 'आगे बढ़ने के लिए, घावों को ठीक करने की आवश्यकता है,' सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठता में दूसरे नंबर पर न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने कहा, 'स्मृति के लुप्त होने से पहले, इस आयोग का गठन शीघ्रता से किया जाना चाहिए। इसे समयबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए। युवाओं की एक पूरी पीढ़ी पहले से ही अविश्वास की भावनाओं के साथ बड़ी हुई है और क्षतिपूर्ति का हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य उन्हीं के प्रति है।'

हालांकि जम्मू-कश्मीर के लोग निराश हैं, लेकिन इस आदेश में आशा की एक उज्ज्वल किरण भी है। पीठ ने मोदी सरकार को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश दिया है। यह 'जितनी जल्दी हो सके किया जाये' इसने कहा और साथ ही उसने चुनाव आयोग को 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू और कश्मीर विधानसभा के चुनाव कराने का निर्देश दिया।

एक बार जब कश्मीर के लोग अपने मार्गदर्शन और भविष्य का फैसला करने के लिए अपनी सरकार बना लेते हैं, तो वे घाटी में बाहरी लोगों के जमीन खरीदने के प्रावधान को खत्म कर सकते हैं। यह उन मुख्य कारकों में से एक है जिसने आरएसएस और भाजपा नेतृत्व को सुरक्षा प्रदान करने वाले 370 को निरस्त करने के लिए प्रेरित किया। यदि अदालत को लगता है कि धारा 370 में संशोधन के लिए संसद द्वारा धारा 367 का सहारा लेना 'संवैधानिक रूप से अमान्य' था तो वह इसे निरस्त करने की मंजूरी कैसे दे सकती है। इसने यह भी कहा कि धारा 370 को धारा 367 के तहत शक्ति के प्रयोग से संशोधित नहीं किया जा सकता है, जो केवल एक व्याख्यात्मक खंड है और कोई संशोधन शक्ति या प्रावधान नहीं है। ग़लत तो ग़लत है। 'दुर्भावनापूर्ण' राजनीतिक इरादे को रेखांकित करना बहुत मुश्किल है।

मोदी सरकार इस बारे में कोई ठोस और उचित स्पष्टीकरण नहीं दे सकी कि किस वजह ने उसे राज्य को विभाजित करने के लिए प्रेरित किया। यही कारण था कि कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के विघटन पर निर्णय लेने में सर्वोच्च न्यायालय की अनिच्छा पर 'निराशा' व्यक्त की, और कहा कि वह धारा 370 को निरस्त करने के फैसले से सम्मानपूर्वक असहमत है।

इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने जानना चाहा: 'कब तक केंद्र सरकार रिमोट कंट्रोल से राज्य पर शासन करने का इरादा रखती है? डर किस बात का है? सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में विरोधाभास है। हालांकि इसमें कहा गया है कि वे राज्य को केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले की वैधता पर फैसला नहीं करेंगे। इसे एक खुला मामला घोषित करते हुए उन्होंने लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने को उचित ठहराया।

दुर्भाग्य से कश्मीरी लोगों के घावों पर मरहम लगाने का अवसर खो गया है। कश्मीर के लोगों ने सब कुछ अपने भाग्य पर छोड़ दिया है। उन्हें सुरंग के अंत में प्रकाश की कोई झिलमिलाहट दिखाई नहीं देती। यही कारण है कि वे अच्छी या प्रतिकूल टिप्पणी करने से बचते रहे। शीर्ष अदालत के इस आदेश से राजनीतिक नेताओं और आम लोगों को राहत नहीं मिली है। उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती जैसे नेता फैसले के बाद के विकल्प तलाश रहे होंगे।

पावन प्रसंग

जो मर्म को छू जाए वही शिष्टाचार

एक कहावत है- दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करो जैसा कि तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे साथ करें। तुम नहीं जानते कि कोई तुम्हारे साथ अशिष्टता से पेश आए, तुम्हारा अपमान करे, तुम्हारी अवहेलना करे। यदि कोई ऐसा करता है तो तुम्हें बुरा लगता है। अत: सोचो कि जैसा तुम्हें इन बातों से बुरा लगता है, वैसे ही यदि तुम दूसरों के साथ वैसा ही बर्ताव करोगे तो उन्हें भी बुरा लगेगा। अत: तुम्हारा कर्तव्य है कि तुम दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखो। यह साधारण कर्तव्य है, समझदारी है, मनुष्यता है। मनुष्य के चरित्र की सबसे बड़ी परीक्षा इसी के द्वारा संभव है कि उसका व्यवहार दूसरों के प्रति कैसा होता है?

शिष्ट आचरण और सद्व्यवहार से शिष्टाचार बनता है। जब हम अपने भाव एवं विचार से पावन एवं श्रेष्ठ होते हैं तो हमारा आचरण स्वाभाविक रूप से शिष्याचार से ओत-प्रोत हो जाता है। शिष्टता मानव जीवन का सौंदर्य है। इसका संबंध गहन स्वाध्याय, परम अनुशीलन, कठोर साधना और विद्यानुराग से है। विपरीत परिस्थितियों में अपने अस्तित्व को बचाए रखना शिष्टता के कारण संभव हो पाता है। शिष्टता प्रतिभा का एक अंतर्निहित नैसर्गिक तत्व है। इसे संरक्षित कर के भविष्य के लिए पोषक बनाना बार-बार के अभ्यास से आता है। निंदा-स्तुति की चिंता किए बिना शिष्टता अपने लक्ष्य की ओर बढ़ती है। मूल्यांकन करने के लिए कठोर तप का संदर्भ मूल्यवान बनाता है। जो जितना अधिक श्रेष्ठ रहता है, वह उतनी गहराई से पारदर्शिता की अनुभूति करता है।

किसी के मन का वास्तविक अध्ययन करने के लिए अंतर्मन की दृष्टि, परोपकारी वृत्ति और सरलता ही मूल आधार होते हैं। निर्मल दर्पण में ही पारदर्शी स्वरूप दिखाई पड़ता है। कवि भवभूति ने लिखा कि-मेरी रचनाओं का उद्देश्य विद्वानों की सूची में सम्मिलित होना नहीं है। यह आवश्यक नहीं है कि लोग मुझे श्रेष्ठ विद्वान कहें। मुझे विश्वास अवश्य है। आगे कहते हैं- फलप्राप्ति के लिए परम धैर्य धारण करना शिष्टता की श्रेणी में गिना जाता है। सम्यक नीर-क्षीर विवेक का मूल्यांकन करना वही जानते हैं जिनकी दृष्टि सत्य, न्यास से युक्त रहती है।

शिष्टता विनम्रता का ही एक रूप है। यह उत्तम ज्ञान एवं विद्या प्रदान करती है। शिक्षा शिष्टाचार के लिए उतनी उपादेय नहीं है, जितनी विद्या। जब विद्या की शिष्टता जीवन को आत्मसात करने लगती है, तब जीवन विकसित होने लगता है। असाधारण स्मरण शक्तियां, बुद्धि की कुशाग्रता ही शिष्टता को समृद्ध बनाती है। प्रेम और करुणा के बिना शिष्टता का विकास संभव नहीं है। असाधारण व्यक्तित्व कोहिनूर जैसी चमक बिखेरता है। इस हीरे पर जिस रंग की रश्मि पड़ती है, उसे वह सौ गुना अधिक तेजी से प्रतिभासित करता है। अच्छे के साथ सभी लोग अच्छे रहते हैं, पर बुरे के साथ अच्छे बने रहने पर इतिहास बनता है। सहनशीलता से जीवन में असाधारण परिवर्तन होता है। शिष्टाचार, विनम्रता एवं शालीनतापूर्ण आचरण ही वह आभूषण है, जो मनुष्य को आदर व सम्मान दिलाता है। शिष्टाचार व्यवहार का माध्यम है इसी आधार पर सभ्यता एवं संस्कृति का भवन निर्माण होता है। एक दूसरे के प्रति सद्भावना सहानुभूति व सहयोग आदि शिष्टाचार के मूल आधार हैं।

शिष्टाचार का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। शिष्टाचार संबंधों में मधुरता एवं स्थायित्व प्रदान करता है। बड़ों का यथोचित सम्मान एवं छोटों के प्रति स्नेहिल प्यार करना चाहिए। इसी शिष्टाचार का सदैव पालन करना चाहिए।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

देश के विकास की दिशा को नया आयाम

हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए, जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकें। बिना संस्कृति, संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकता। वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है।

विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंत:प्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंत: विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। यदि यही सिद्धांत और अंत: प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे, उनके विचारों में मौलिकता, नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि -दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं। विवेकानंद जी के विचार सर्वकालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है। भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है। विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

संजीव ठाकुर

सार समाचार

अंतराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन पखवाड़े के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। पर्यटन स्थल मढ़ई में महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना कार्यक्रम को जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद एवं इंडियन ग्रामीण द्वारा महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना कार्यक्रम अंतर्गत महिला हिंसा विरोध दिवस पखवाड़ा अन्तर्गत जागरुकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें महिलाओ की सुरक्षा और उनके प्रति सम्मान का संदेश दिया गया और संदेशात्मक रैली निकाली गई। इस कार्यक्रम में जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद से पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, इंडियन ग्रामीण सर्विसेज से अर्चना दास एवं प्रशिक्षक ओर सभी प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में आए आवेदनों का

किया गया निराकरण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 60 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर फरहीन खान सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 17 को

नर्मदापुरम, देशबनधु। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर की राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 का आयोजन जिला मुख्यालय पर आगामी 17 दिसम्बर 2023 दिन रविवार को ओएमआर पद्धति से प्रात: 10.30 बजे से 12 बजे तक एवं दोपहर 2.15 बजे से अपरान्ह 4.15 बजे तक दो सत्र में आयोजित होगी। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने तदाशय की जानकारी देते हुए बताया है कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए पुराना कलेक्ट्रेट भवन में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का नंबर 07574-251292 है। परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों से कहा गया है कि वे उक्त कंट्रोल नंबर पर संपर्क कर परीक्षा संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कंट्रोल रूम नंबर पर परीक्षा से संबंधित कोई गड़बड़ी हो रही प्रतीत हो तो तत्काल शिकायत कंट्रोल रूम के नंबर 07574-251292 पर कर सकते हैं। परीक्षा के सफल संचालन के लिए कलेक्टर ने प्राचार्य कार्यालय लोक शिक्षण नर्मदापुरम जयवंत सिंह चौधरी मोबाईल नंबर 7000128958 को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी के सहयोग के लिए विभिन्न कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई है जिसमे अमरीश दुबे मोबाईल नंबर 9406552552, नर्मदा प्रसाद बरेले मोबाईल नंबर 9179738127 एवं आशुतोष भार्गव 8989414248 को नियुक्त किया है।

अंतर्राज्यीय चोर गिरोह गिरफ्त में, कई चोरियों का खुलासा

इटारसी, देशबन्धु। थाना पिपरिया पुलिस ने तीन दिन में बस स्टैंड में इटारसी के पास चांदौन निवासी महिला के जेवर चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उससे पिपरिया में हुई चोरी की कई घटनाओं का खुलासा हो गया है। यह चोर गिरोह किराए का मकान लेकर वारदात को अंजाम देते थे।

उल्लेखनीय है कि थाना पिपरिया में 11 दिसंबर 23 को सलोनी राय निवासी ग्राम चांदौन, थाना पथरौटा जिला नर्मदापुरम ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि 08 दिसंबर 23 को बस स्टैंड पिपरिया से अपने मायके ग्राम दहलवाड़ाखुर्द जा रही थी, तभी किसी अज्ञात अरोपी ने बैग में रखे सोने के हार एवं चांदी की पायल चोरी कर लिया है। रिपोर्ट पर थाना पिपरिया में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध कायम कर विवेचना में लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुये एसपी गुरकरन सिंह, एएसपी आशुतोष मिश्र एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पिपरिया कल्याणी वरकड़े के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी के नेतृत्व में आरोपी की तलाश एवं गिरफ्तारी हेतु टीम गठित हुई।

11 दिसंबर 23 के दरम्यिानी रात्रि में पुलिस टीम कस्बा भ्रमण के दौरान पिपरिया में फरियादी द्वारा बताये गये हुलिया के अनुसार एक एलएडी बल्ब बेचने वाला व्यक्ति मिलने पर जिसे संदेह की स्थिति में अभिरक्षा में

लेकर नाम पता पूछा। उसने अपने नाम बब्लू पिता राधेलाल अहेरिया उम्र 35 साल निवासी ग्राम मिर्जापुर जिला हाथरस उप्र बताया। सख्ती पूछताछ करने पर 08 दिसंबर 23 को बस स्टैंड पिपरिया से चोरी गये सोने के हार एवं चांदी की पायल के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि मैं एवं अन्य 06 लोग पिपरिया में लोहिया वार्ड पिपरिया में किराये के मकान में रहकर चोरी की घटना को अंजाम देते हैं । 08 दिसंबर को मैं एवं मेरे साथी गौरव शर्मा ने मिलकर बस स्टैंड पिपरिया से एक सोने का हार एवं चांदी की पायल बैग से चोरी की है, एवं 04 माह पहले मैं एवं मेरे साथी जितेन्द्र अहेरिया ने मिलकर मंगलवारा चौराहा के पास एक रेडीमेट कपड़ों की दुकान में चोरी की थी। बब्लू के अन्य साथी गौरव शर्मा एवं जितेन्द्र अहेरिया को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया जिन्होंने भी अपना जुर्म स्वीकार किया।

बब्लू अहेरिया के साथ रह रहे अन्य साथी मुकेश अहेरिया, हरिकिशन अहेरिया, चंद्रवीर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिन्होंने बताया कि हमारे द्वारा 04 माह पहले मंगलवारा चौराहा के पास स्थित मार्केट दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। उपरोक्त चोर गिरोह के सभी आरोपी बब्लू पिता राधेलाल अहेरिया उम्र 35 साल निवासी ग्राम मिर्जापुर थाना हाथरस उप्र, गौरव पिता महेश चंद्र शर्मा उम्र 28 साल निवासी महन थाना हाथरस जिला हाथरास उप्र, हरिकिशन पिता गजेन्द्र अहेरिया 19 साल, ग्राम मिर्जापुर जिला हाथरस, मुकेश पिता गजराज सिंह अहेरिया 19 साल, ग्राम मिर्जापुर जिला हाथरस, चंद्रवीर पिता रमेशचंद 22 साल, सिकंदर राव हाथरस उप्र, चेतंद्रर पिता सूरज पाल अहेरिया, 35 साल ग्राम मिर्जापुर जिला हाथरस, जितेन्द्र पिता राजेन्द्र अहेरिया 28 साल, मिर्जापुर जिला हाथरस को गिरफ्तार कर जिनके कब्जे से एक सोने का हार, चांदी की पायल एवं नगदी 40,000 रुपए जब्त कर थाना पिपरिया के अपराध 50 536/23 धारा 379 भादवि, 316/23 धारा 379 भादवि एवं अपराध कं0 296/23 धारा 457,380 भादवि में गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। इस सफलता में निरीक्षण गिरीश त्रिपाठी, एसएसपी, किशन उइके, रामचन्द्र खातरकर, भागचन्द्र धुर्वे, प्रकाश राजपूत, गणेश राय, अजमेर सिंह, विनोद विट्ठरिया, चन्द्र प्रकाश साहू, राममोहन रजक, रामेश्वर उइके, प्रआर पूनम सिंह, विजय, शिवशंकर, मनोहर दायमा अफसर खान, अमरदास, विकास मेहरा, सुनील चौधरी, नीलेश रघुवंशी का विशेष योगदान रहा।

इटारसी होकर चलेगी नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन

इटारसी, देशबन्धु। रेल मंत्रालय ने मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ के मध्य नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है, जो कि भोपाल मंडल के इटारसी, हरदा स्टेशन पर हाल्ट लेकर गन्तव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 15181 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 16 दिसंबर 2023 से प्रति शनिवार को मऊ जंक्शन स्टेशन से 22.15 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन 14.35 बजे इटारसी पहुंचकर, 14.45 बजे इटारसी से प्रस्थान कर, 15.30 बजे हरदा पहुंचकर, 15.32 बजे हरदा से प्रस्थान कर, तीसरे दिन सोमवार को 03.45 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी।

इसी प्रकार 15182 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-मऊ साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन 18 दिसंबर 2023 से प्रति सोमवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन से 11.10 बजे प्रस्थान कर, 21.05 बजे हरदा पहुंचकर, 21.07 बजे हरदा से प्रस्थान कर, 22.25 बजे इटारसी पहुंचकर, 22.35 बजे इटारसी से प्रस्थान कर, अगले दिन 18.30 बजे मऊ जंक्शन स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट: रास्ते में यह गाड़ी दोनो दिशाओं में मुहम्मदाबाद, आजमगढ़, खुरासों रोड, शाहगंज, जौनपुर, मड़ियाहू, जंघई, फूलपुर, प्रयागराज, प्रयागराज जंक्शन, मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, हरदा, भुसावल, जलगांव, नासिक रोड एवं कल्याण स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच कंपोजीशन : इस गाड़ी में 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी, 07 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी, 01 जनरेटर कार, 01 एसएलआरडी सहित कुल 21 कोच रहेंगे।

मुंबई की संस्था ने मुस्कान संस्था में गर्म कपड़े वितरित किये

इटारसी, देशबन्धु। असहाय एवं कमजोर व्यक्ति के दुख दर्द को समझना एवं उनके दर्द एवं आवश्यकताओं को पूरी करना यही सच्ची मानव सेवा है। ऐसा किया मुंबई स्थित शारदा कंसलटेंट कंपनी की श्रीमती शैलजा जोशी ने। पिछले दिनों कंपनी संचालक श्रीमती जोशी एवं जीवी जोशी शहर की सामाजिक संस्था मुस्कान में पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की थी। उन बच्चों की भावनाओं को समझते हुए श्रीमती जोशी एवं जीवी जोशी ने बच्चों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े देने का निर्णय लिया।

आज सर्व ब्राह्मण महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति शर्मा एवं महेश जोशी ने बच्चों को कपड़े वितरित किए। इस अवसर पर संस्था के संचालक मनीष ठाकुर, संजय शर्मा सहित स्थानीय स्टाफ उपस्थित था। इस दौरान मुंबई से श्रीमती शैलजा जोशी एवं जीबी जोशी ने मोबाइल पर बातचीत कर अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आज मैं यह करके काफी आनंद महसूस कर रहा हूं, जब भी इटारसी आना होगा तब मैं फिर आप बच्चों के बीच आऊंगी।

बस स्टैंड प्रतीक्षालय के निरीक्षण के दौरान कचरा देखकर भड़के नपाध्यक्ष

क्या कचरा पट्टी मचा रखी है, काम नहीं होता तो क्यों लेते हो टेंडर

इटारसी, देशबन्धु। । नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे आज मुख्य बाजार स्थित बस स्टैंड के प्रतीक्षालय में चल रहे पुनर्निर्माण को देखने पहुंचे। यहां एक निजी कंपनी प्रतीक्षालय के साथ में महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग टॉयलेट बना रही है, साथ ही लॉकर रूम भी बन रहा है। लेकिन काम की गति बहुत धीमी है, इसकी जानकारी मिलने पर नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे बस स्टैंड पहुंचे। इस दौरान सीएमओ रितु मेहरा, उपयंत्री सोनिका अग्रवाल, पार्षद वार्ड 11 अमित विश्वास मौजूद थे।

यहां नगरपालिका अध्यक्ष श्री चौरे ने कचरा, निर्माण सामग्री का कचरा, दीवार पर पुट्टी के स्थान पर नार्मल पेंट होता देख नाराजी व्यक्त की। उन्होंने प्रतीक्षालय का निर्माण कर रही निजी कंपनी के सुपरवाइजर से ठेकेदार का नम्बर लेकर फोन पर उससे चर्चा की। नगरपालिका अध्यक्ष फोन पर बात करते ठेकेदार पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि आपने यहां क्या कचरा पट्टी बचा रही है, काम नहीं होता तो टेंडर क्यों ले लेते हो।

यह हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट था, आपने पूरा खराब कर दिया। हम इसे रेलवे स्टेशन पर बने प्रतीक्षालय की तर्ज पर शानदार बनवाना चाह रहे थे, आप ने कचरा पट्टी बना दिया। इससे अच्छा तो हम ही बना लेते। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि दिसंबर के अंत तक किसी भी हालत में मुझे पूरा प्रतीक्षालय बना मिल जाना चाहिए, नहीं तो आप समझदार हो।

इटारसी में मत्स्य विभाग के सहयोग से बनेंगे 3 स्मार्ट फिश पार्लर

नपाध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ रितु मेहरा ने किया मछली बाजार का निरीक्षण

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश सरकार के मत्स्य विभाग की मध्यप्रदेश फिश पार्लर योजना के तहत इटारसी के मछली बाजार में तीन स्मार्ट फिश पार्लर बनाए जाएंगे। आज नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, सीएमओ रितु मेहरा ने टीम के साथ यहां निरीक्षण किया। यहां 15 लाख रुपये लागत से तीन फिश पार्लर बन रहे हैं। प्रत्येक फिश पार्लर के लिए 5 लाख रुपये शासन ने दिए हैं।

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने यहां निरीक्षण के दौरान मछली व्यापारियों से कहा कि आधुनिक फिश पार्लर के माध्यम से मछली की मार्केटिंग करने में भी मछली पालकों को आसानी होगी। मछलियों के स्टोरेज के लिए सरकार द्वारा डीप फ्रीजर, फ्रीजर डिस्प्ले काउंटर के साथ फिश कटर और मछली की छिलाई मशीनें भी मछली पालकों को मुहैया कराई जाएगी। स्मार्ट फिश पार्लर खोलने के लिए सरकार द्वारा 15 लाख रुपये आए हैं। योजना मत्सय विभाग की है।

नगरी निकाय और पंचायत तैयार कराएगी पार्लर

मध्य प्रदेश फिश पार्लर योजना के तहत एक आधुनिक मछली पार्लर बनाने के लिए 5 लाख रुपए खर्च होंगे। मध्य प्रदेश के मत्स्य विकास एवं मछुआ कल्याण विभाग द्वारा शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकाय और ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायतें 5 लाख रुपए की लागत से स्मार्ट मछली पार्लर तैयार करवाएंगी। सारा खर्च सरकार द्वारा ही उठाया जाएगा। मछुआरे समुदाय के लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा बड़ी राहत दी जाएगी।

मत्स्य विभाग करेगा आवंटन

मछली पालन करने वाला कोई भी मांझी समाज से जुड़ा हुआ मछुआरा इन स्मार्ट फिश पार्लर से जुड़ सकता है। मछली पालकों को मछली को स्टार्ट करने के लिए डीप फ्रीजर, फ्रीजर डिस्प्ले काउंटर के अलावा फिश कटर और मछली की छिलाई के लिए मशीनें भी उपलब्ध करवाई जाएगी। राज्य में स्मार्ट फिश पार्लर खुलने से 24 घंटे फ्रेश मछली मिल सकेगी।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, टीकमगढ़ (म.प्र.)
क्रमांक 3403 दिनांक- 05/12/2023
विज्ञप्ति का प्रारूप
महाविद्यालय द्वारा विश्व बैंक वित्त पोषित 'मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना' के अंतर्गत सिंगल डेस्क विथ चेयर / स्टडी. टेवल चेयर फोर स्टडी टेविल (मल्टीपरपस) क्रय करने के लिए GeM Portal के माध्यम से Bid No. GeM/2023/B/4057693 दिनांक 07.10.2023 द्वारा बिड आमंत्रित की गई है। बिड की अंतिम तिथि 26.12.2023 समय 19.00 तक है।
डॉ. आई.जे. जैन
प्राचार्य
जी-21603/23

राष्ट्रीय राजमार्ग पर नहीं लग रही वाहनों की रफ्तार पर लगाम

सांची, देशबन्धु। इस स्थल से राष्ट्रीय राजमार्ग निकला है। इस मार्ग के दोनों ओर आने जाने के लिए छोटे वाहन सुरक्षित आवाजाही कर सके। इसके लिए सर्विस रोड निर्मित किए गए हैं जिससे दुर्घटना को भी रोका जा सके। राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर लोहे की रैलिंग लगाई गई है। राजमार्ग से कम दूरी और अधिक दूरी के छोटे बड़े वाहनों के साथ साथ भारी वाहनों की हजारों की संख्या में आवाजाही लगी रहती है। वाहनों की अंधी रफ्तार से दुर्घटना की आशंकाएं बनी रहती है तथा अनेक बार दुर्घटना घट भी जाती है। इस मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने न तो कहीं कोई गतिअवरोधक ही बना सके तथा न ही कहीं कोई वाहनों की रफ्तार नियंत्रित करने संकेत बोर्ड अथवा रेडियम के ही कोई चिन्ह ही अंकित किए गए। सबसे अधिक परेशानी तो नगर में चलने वाले सरकारी निजी स्कूलों के छात्रों को उठाना पड़ती है जब काफी देर वाहनों के रुकने का इंतजार करना पड़ता है। सबसे ज्यादा व्यस्ततम चौराहा स्तूप चौराहा, गुलगांव चौराहा रहते हैं इन चौराहे पर अनेक बार दुर्घटना घट चुकी है बावजूद इसके राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को सुध लेने की फुर्सत नहीं मिल सकी है। इतना ही नहीं मुख्य चौराहे से जनता की आवाजाही तो होती ही है साथ ही बड़ी संख्या में देशी विदेशी पर्यटकों को भी राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने में भारी मशक्कत करनी पड़ती है यहां तक कि पर्यटक स्वयं अपने ही हाथों के संकेत से सड़क पार करते दिखाई दे जाते हैं परन्तु वाहनों की तेज़ गति नियंत्रित नहीं हो पा रही है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम स्थलों पर लगाए जाए स्वास्थ्य शिविर: कलेक्टर

रायसेन,देशबन्धु। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले के समस्त नगरीय निकायों के वार्डो तथा ग्राम पंचायतों में यात्राओं तथा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर अरविंद दुबे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर दुबे ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले में आठ आईईसी वेन नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में पहुंचकर केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगीं। आईईसी वेन में उपलब्ध ऑडियो विजुअल एड, ब्रोशर, पम्पलेट, बुकलेट इत्यादि से सूचनाओं और जानकारियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से जनपदवार बनाए गए रूट चार्ट की जानकारी लेते हुए कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी

हो और जरूरतमंदों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर दुबे ने निर्देश दिए कि विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम स्थलों पर स्वास्थ्य विभाग तथा आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजन हेतु सभी व्यवस्थाएं की जाएं। साथ ही कार्यक्रम स्थलों पर महिला बाल विकास विभाग, बैंक, स्व-सहायता समूहों, कृषि, उद्यानिकी, जल जीवन मिशन आदि के स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए भी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। कार्यक्रम स्थलों पर तकनीकी सत्र भी आयोजित होंगे जिनमें कृषि कार्यो में ड्रोन के उपयोग का प्रदर्शन, मिट्टी परीक्षण, प्राकृतिक और उन्नत खेती की जानकारी दी जाएगी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय सेनानी, 10वीं वाहिनी वि. स. बल सागर (म.प्र.)
नीलामी सूचना
10वीं वाहिनी वि.स.बल सागर में वाहनों से निकले कण्डम, पुराने मोटर पार्ट्स एवं टायर, ट्यूब, फ्लेप्स, टूल्स आदि जहाँ है, जैसी है की स्थिती में विकय खुली नीलामी के माध्यम से दिनांक 20.12 .2023 को समय 12.00 बजे सेनानी 10वीं वाहिनी विसबल सागर के सामुदायिक भवन परिसर में की जायेगी।
कंण्डम सामान का विवरण
टायर ट्यूब, फ्लेप्स - 34 नग व मो.सा. टायर ट्यूब - 04 नग,
नीलामी की शर्तें:-
1. उक्त सामान सेनानी 10वीं वाहिनी विसबल सागर के वाहन शाखा में जहाँ है जैसी भी स्थिति में है उठाना होगा । कोई भी सामान अलग-अलग प्रदाय नही किया जावेगा।
2. बोलीकर्ता को प्रतिभूति राशि रू. 10,000/- (दस हजार मात्र) किसी भी राष्ट्रीय कृत बैंक का बैंक ड्राफ्ट जो कि सेनानी 10वीं वाहिनी सागर के नाम देय होगा, को दिनांक 19.12.2023. को समय 17.00 बजे तक 10वीं वाहिनी की वाहन शाखा में आवेदन पत्र के साथ जमा करना होगा। नीलामी कार्यवाही उपरांत सभी बैंक ड्राफ्ट रिलीज कर वापिस कर दिया जायेगा।
3. उच्चतम बोली स्वीकार की जावेगी तथा बोलीकर्ता को 25 प्रतिशत स्वीकार राशि नीलामी स्थल पर तत्काल जमा करनी होगी। राशि जमा नही करने पर धरोहर राशि राजसात की जावेगी।
4. शेष 75 प्रतिशत राशि 03 दिन में जमा करना आवश्यक होगा अन्यथा 25 प्रतिशत राशि राजसात की जावेगी। उच्च बोली स्वीकारकर्ता पूर्ण राशि ई-पेमेंट के माध्यम से शासकीय खाता में जमा कर ई-पेमेंट की रिसीव परिवहन शाखा में जमा करने के पश्चात् ही सामग्री क्रयकर्ता को सुपुर्द की जावेगी।
5. पूर्ण राशि जमा करने उपरांत 02 दिन के अन्दर पूर्ण सामग्री पार्टी को उठाना होगी। सामग्री ढुलाई लोडिंग आदि क्रेता द्वारा की जावेगी ।
6. बोलीकर्ता सामग्री का पूर्ण निरीक्षण नीलामी से पूर्व 10वीं वाहिनी विसबल एम. टी. शाखा में करले अन्यथा बाद में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी।
7. सामग्री का पूर्ण विवरण एवं अवलोकन एम. टी. शाखा 10वीं वाहिनी विसबल सागर में प्रतिदिन कार्यालयीन समय 10.30 बजे से 17.00 बजे तक किया जा सकता है।
8. बोली आवेदन पत्र रू. 100 / - नगद भुगतान कर इकाई की एमटी शाखा से प्राप्त किये जा सकेंगे। आवेदन पत्र दि.19.12.23 समय 13.00 बजे तक क्रय किये जा सकेगें। आवेदन पत्र का शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नही होगा ।
9. अंतिम निर्णय नीलामी कर्ता अध्यक्ष महोदय के पास सुरक्षित होगा ।
सेनानी
10 वी वाहिनी विसबल, सागर
जी-21559/23

हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी करने पर बढ़ सकती हैं सीएमओ की मुश्किलें

दैवेभो कर्मचारियों को अब तक नहीं लिया सेवा में नहीं दिया 3 माह का वेतन

टीकमगढ, देशबन्धु। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को निकाले जाने को लेकर नगर पालिका टीकमगढ़ में पदस्थ सीएमओ गीता मांझी की मुश्किलें बढ़ती नजर आने लगी हैं। उन्हें हाईकोर्ट ने उपस्थित होने के आदेश दिए है। इस आदेश के बाद से अब दैवेभो कर्मचारियों में न्याय की उम्मीद बढ़ने लगी है। बताया गया है कि नगर पालिका में कार्य कर रहे चार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया था। उन्हें निकाले जाने के बाद कर्मचारियों ने हाईकोर्ट की शरण लेते हुए अपनी याचिका दायर की थी। इस मामले में हाईकोर्ट ने संज्ञान लेते हुए सीएमओ को मय वेतन के कार्य करने के आदेश जारी किए थे, लेकिन उन्होंने इन दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नौकरी पर नहीं रखा। नौकरी पर न रखने के कारण हाई कोर्ट ने सीएमओ नगर पालिका टीकमगढ़ को तलब किया है। बताया गया है कि जिन कर्मचारियों को सेवा से हटाया गया था, उनमें चक्रेश पंडित, भागचंद्र रैकवार, मुकेश घोष और दिनेश कुशवाहा के नाम शामिल हैं। यह कर्मचारी नगर पालिका टीकमगढ़ में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में नियमित रूप से कार्य कर रहे थे। इस दौरान दिसंबर 2022, जनवरी और फरवरी 2023 के वेतन का भुगतान नहीं हुआ था, जिसको लेकर कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट से मय वेतन के कार्य कराने का आदेश जारी किया गया था। हाईकोर्ट से जारी हुए आदेश से नगर पालिका अधिकारी को अवगत भी कराया गया है। कर्मचारियों ने बताया कि हम लोगों की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है। हम लोगों को कार्य करने के बाद भी तीन माह के वेतन का भुगतान नहीं हुआ है। जिसको लेकर लंबे समय से इस समस्या से जूझ रहे हैं। आदेश नौ माह पहले आदेश जारी किया गया था। कर्मचारियों ने बताया कि हम कर्मचारियों को सेवा से बाहर कर दिया था। जिसमें 27 फरवरी 2023 को सेवा में लेने और वेतन देने के आदेश हुए थे। 9 माह तक आदेश न मानने और न्यायालय की अवहेलना में नगर पालिका सीएमओ गीता मांझी को 12 जनवरी 2024 को न्यायालय आदेश का पालन न करने के संबंध में जवाब स्वयं उपस्थित होकर देने को कहा है।

यातायात नियमों का पालन न करने वाले चालकों के विरुद्ध की गई चालानी कार्रवाई

दस्तावेजों की हुई जांच, वाहन चालकों से की पूछताछ, बिना हेलमेट चालकों के चालान

टीकमगढ़, देशबन्धु। अब नियमों का उलंघन करना वाहन चालकों के लिए आसान नहीं है। यातायात पुलिस की नजर में आते ही चालानी कार्रवाई होना तय है। पुलिस की चपेट में आते ही वाहन चालकों की खैर नहीं है। पिछले तैईस दिनों से चल रहे अभियान के दौरान लगभग डेढ़ हजार वाहनों के अब तक चालान किए जा चुके हैं। इस अभियान के चलते वाहन चालकों में भी सनसनी फैली हुई है। बिना हैल्मेट वाहन चलाने वालों को यातायात पुलिस द्वारा हैल्मेट लगाने की जहां सलाह दी जा रही है। वहीं दूसरी ओर मनमानी करने वाले चालकों पर कार्रवाई भी की जाने लगी है। इस संबन्ध में मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में अभियान चलाकर लोगों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने एवं चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट धारण करने तथा सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी देकर जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया है। इन निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम ससत्या के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा 20 नवम्बर 2023 से लगातार यातायात के नियमों का पालन नहीं करने वालों पर लगातार चालानी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में 13 दिसम्बर 2023 तक यातायात के नियमों का पालन नहीं करने वाले 1410 चालकों के विरुद्ध चलानी कार्रवाई कर 4 लाख 60 हजार 200 राशि वसूल की गई। विदित है कि टीकमगढ़ पुलिस द्वारा सम्पूर्ण जिले में यातायात जागरूकता के साथ-साथ नियमों का पालन नहीं करने वालों के विरूद्ध चलानी कार्रवाई का अभियान लगातार जारी है, टीकमगढ़ पुलिस वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, चार पहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने एवं मोटर साइकिल चालकों से हेलमेट धारण करने की अपील करती है।

नियमों का पालन करने की बच्चों की दी जा रही सलाह

यातायात पुलिस द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर जहां लोगों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने एवं चार-पहिया वाहन में सीट बेल्ट धारण करने की सलाह दी जा रही है, वहीं सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जानकारी देकर जागरूक बनाया जा रहा है। बताया गया है कि प्रभारी यातायात रक्षित निरीक्षक कैलाश कुमार पटेल द्वारा बुधवार को 13 दिसम्बर को एंजिल्स अबोड पब्लिक स्कूल, टीकमगढ़ एवं होप एकैडमी टीकमगढ़ में छात्र-छात्राओं को सम्बोधित कर यातायात नियमों के विषय में विस्तार से अवगत कराया। छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने एवं उनके माता-पिता, परिवारजनों को यातायात नियम का पालन करने के सम्बन्ध में आग्रह करने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा किए गए यातायात सम्बन्धी प्रश्नों का उत्तर दिया जाकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।

नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

निवाड़ी, देशबन्धु। आयुष पद्धति के प्रचार प्रसार एवं आमजनमानस में जागरूकता लाने के लिए प्रमुख सचिव तथा आयुक्त संचालनालय आयुष मध्य प्रदेश शासन भोपाल के आदेशानुसार एवं कलेक्टर जिला निवाड़ी अरूण कुमार विष्वकर्मा के निर्देशन में जिले में आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसीक्रम में बुधवार को जिला आयुष अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार अहिरवार के मार्गदर्शन में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर आयुर्वेद औषधालय चौमो द्वारा ग्राम दगरवाह के शासकीय विद्यालय में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन कर आयुर्वेद औषधियाँ दी गयीं। शिविर में आयुष पद्धति के प्रति जागरूकता के बारे में जानकारी प्रदाय की गई एवं बच्चों को योगाभ्यास कराया गया। शिविर में 72 मरीज का बीपी शुगर हीमोग्लोबिन चेक किया गया एवं नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधि प्रदान की गई। इस अवसर पर सामुदायिक आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ, रजनी खरे, तारा देवी, उमाशंकर, पंकज मिश्रा, अजय एवं स्कूल के शिक्षक गोविंद कुशवाह उपस्थित रहे।

अलग-अलग घटना में 2 महिलाओं की मौत

बल्देवगढ़, देशबन्धु। बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक शरी रैकवार पत्नी हज्जू रैकवार उम्र 90 वर्ष जो घर पर खाना खाकर रविवार को सो गई थी। सुबह लगभग 4 बजे करीब जब वह घर के पास स्थित कुएं के पास से निकल रही थी, तभी पैर फिसलने से कुएं में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को अपने कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच में लिया। वहीं ग्राम जिनागढ़ में शिम्बू बाई पत्नी छत्ता अहिरवार उम्र 62 वर्ष जो सोमवार को दोपहर में खेत पर नित्यक्रिया के लिए जा रही थी। तभी खेत में डले बिजली के तार की चपेट में आ गई। जिससे उसकी करंटलगने से मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा बनाया। मर्ग कायम कर मामला जांच में ले लिया है।

जैन मंदिरों की सुरक्षा के लिए हुई मंदिरों के पदाधिकारियों की बैठक

टीकमगढ़, देशबन्धु। जैन समाज के सभी जैन मंदिर के पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन कोतवाली में किया गया। इस दौरान जैन मंदिरों की सुरक्षा के संबन्ध में आवश्यक सुझाव मांगे गए। अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र जनता ने बताया कि बैठक के दौरान उप निरीक्षक आरडी कुशवाहा ने जैन मंदिर पदाधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जैन समाज के पदाधिकारियों से कहा कि सभी जैन मंदिर में सीसी कैमरा होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आप पुलिस से क्या सहयोग चाहते हैं, आप सभी हमें सुझाव भेजें। इसके बाद जैन समाज के सुधीर बजाज और नरेंद्र जनता ने कहा कि पृथ्वीपुर के ग्राम सकेरा भंडारण के जैन मंदिर में भगवान के सिर पर लगा चांदी का मुकुट, चांदी के बर्तन और दान पेटी के पैसा चोरी हुई है, उसका खुलासा होना चाहिए, ताकि इस प्रकार की पुनरावृत्ति नहीं हो। उन्होंने कहा कि हमारे कुछ जैन मंदिर शहर के बाहर भी हैं, उनका ध्यान दिया जाए। रात्रि गस्त में मंदिर जी को ध्यान में रखते हुए गस्त बढ़ाई जाए। इस मौके पर पुलिस विभाग के मोनू उपाध्याय सहित अनेक पुलिस कर्मचारी मौजूद थे। जैन समाज के मंदिर के पदाधिकारी जिसमें प्रमुख रूप से अनिल जैन, सुधीर बजाज, नरेंद्र जनता, मोना जैन, प्रदीप कारी, अलली जैन, राजेश जैन भटटो, राजा कारी, संतोष चौधरी, राजेंद्र मस्तापुर, सच्चू जैन, राजेंद्र जैन, विनय जैन, रूपचंद जैन, रत्नेश वैशाखिया, प्रदीप जैन, आशीष जैन, हल्ले जैन आदि अनेक जन शामिल रहे।

वाहन चालक ने दुकान से लौटते मैकेनिक को रौंदा

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत हड्डी मिल निवासी एक मैकेनिक को चिंताहरण टोल नाके के पास लोडिंग गाड़ी ने टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। घायल की पत्नी रुबीना बानो ने बताया कि उनका पति नन्ने खां मैकेनिकल का काम करते है। जिनकी गादेर घाटी पर ट्रक मैकेनिकल की दुकान है।

विगत दिवस वह दुकान से मोटरसाईकिल से घर आ रहे थे। जैसे ही वह पुराना टोल नाका चिंताहरण के पास पेट्रोलपंप के सामने एबी रोड पर पहुंचे, तभी गुना तरफ से एक लोडिंग गाडी क्रमांक एमपी 08 जेडबी 3235 के चालक ने अपनी लोडिंग गाडी को तेजी व लापरवाई से चलाते हुए उनके पति की मोटरसाईकिल में सामने से टक्कर मार दी। जिससे उनको चोटें आई है। जिसका शहर की निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने फरियादिया की शिकायत पर आरोपी वाहन चालक पर मामला दर्ज किया है।

एड्स दिवस पखवाड़ा- एचआईवी एड्स और टीवी के लक्षणों के बारे में दी जानकारियां

टीकमगढ़, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल द्वारा जिला नोडल राहुल गुप्ता के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के अंतर्गत राय नर्सिंग कॉलेज में रेड रीविन, संगोष्ठी एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से एचआईवी एड्स टीवी गुप्त रोगों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं पुरस्कार वितरण भी किए गये है और आईईसी वितरण किया गया। कार्यक्रम में सम्मलित व्यक्ति भानु प्रताप निरंजन आईसीटीसी काउंसलर, आरएस ठाकुर एसटीआई काउंसलर, घनेंद्र सिंह परमार डीआरपी एलडब्ल्यूएस टीकमगढ़, अजय अहिरवार सीएलडब्ल्यू, प्रमोद केवट, रामसिंह उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान : 165429 बच्चों को पिलाई गई दवा

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर अवधेश शर्मा के निर्देशन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभाराम रोशन के मार्गदर्शन में जिले में 10 दिसंबर से 12 दिसंबर 2023 तक पल्स पोलियो अभियान (एसएनआईडी) संचालित किया गया। अभियान के दौरान 163776 बच्चों को पोलियों दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया था, अभियान अंतर्गत कुल 165429 बच्चों को पोलियों की दवा पिलाई गई। टीमों द्वारा प्रथम दिवस बूथ पर 130395 बच्चों को पोलियों दवा पिलाई, द्वितीय दिवस 21996 एवं तृतीय दिवस 13038 बच्चों को घर घर जाकर दवा पिलाकर लक्ष्य प्राप्त किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु टीकमगढ़ में बूथ टीम 1177 मोबाइल टीम 10 ट्रांजिट टीम 49 कुल 2441 बैकसीनेटरो को लगाया गया। जिले में 133 पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये। अभियान के अंतिम दिवस राज्य स्तर से मोनीटरिंग के लिए उप संचालक राज्य कोल्ड चेन म.प्र.भोपाल विपिन श्रीवास्तव ने टीकमगढ़ पहुंच कर जिले में चल रहे पल्स पोलियों अभियान की समीक्षा की एवं निरीक्षण कर अभियान का जायजा लिया गया। उन्होंने वैक्सीन कोल्ड चेन स्टोर पहुंच कर अभियान से सम्बंधित व्यवस्थाओं एवं प्रगति की जानकारी जिला टीकाकरण अधिकारी से प्राप्त की गई। तत्पश्चात विकासखण्ड टीकमगढ़, बड़ागांव क्षेत्रांतर्गत ग्राम पठा एवं समर्रा का भ्रमण कर पल्स पोलियों अभियान में घर-घर भ्रमण कर कार्य का सत्यापन किया गया। इसके पश्चात् सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (बड़ागांव) धसान जाकर फोकल प्वाइंट का निरीक्षण किया गया। संबंधित फोकल प्वाइंट प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए गये। भ्रमण के दौरान विपिन श्रीवास्तव के साथ डॉ केएम वरूण जिला टीकाकरण अधिकारी, मनोज नायक जिला मीडिया अधिकारी, नरेश विश्वकर्मा व्हीसीसीएम, चंद्रशेखर तिवारी जिला कोल्ड चेन स्टोर टीकमगढ़ उपस्थित रहे। अभियान के सफल आयोजन हेतु जिला स्वास्थ्य अधिकारी-1 डॉ. पीके माहौर, प्रबल त्रिपाठी डीसीएम, केएल जैन प्रशासकीय अधिकारी, इकबाल खांन एवं डॉ. संतोष गुप्ता सर्विलेंस मेडीकल ऑफीसर डब्ल्यूएचओ, डॉ सिद्वार्थ रावत मेडीकल ऑफीसर प्रभारी शहरी क्षेत्र टीकमगढ़, अंकित रावत एपीएम आदि द्वारा अभियान की मोनीटरिंग कार्य कर कार्यक्रम का अपेक्षित लक्ष्य प्राप्त किया गया।

हरे बांस मंडप छाए, सिया जू खौं राम विवाहन आए

शिव की नगर कुंडेश्वर से उठेंगी आज पांच बेटियों की डोलियां, वी-क्लब कराएगा शादियां

टीकमगढ़, देशबन्धु। कुछ बच्चियों की मां नहीं है, तो कुछ बच्चियां बेसहारा है। कहते हैं कि जिनका कोई नहीं होता,उनका भगवान होता है। कहते तो यह भी हैं कि जहां भगवान नहीं पहुंचता, वहां अपने भक्तों को मदद के लिए पहुंचा देता है। कुछ ऐसा ही यहां कुंडेश्वर में आज देखने को मिलने वाला है। यहां वी-क्लब की महिलाएं पांच बच्चियों का विवाह रचा रही हैं। बिना शासन की मदद के निजी सहयोग राशि से होने जा रहे सामूहिक विवाह आयोजन की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई है। क्लब की सदस्य रूचि राजा परमार, सचिव रश्मि निरंजन सहित अन्य महिलाएं आज कुंडेश्वर में विवाह की तैयारियों में जुटी रहीं। यहां वर और वधु के साथ आने वालों के स्वागत एवं विवाह की तैयारियों के बारे में तैयारियां की गई। बताया गया है कि वी-क्लब संगठन यहां आज 14 दिसम्बर 2023 को तीर्थ स्थली कुंडेश्वर में सामूहिक कन्या विवाह बिना किसी सरकारी अनुदान के करने जा रहा है। इस संबन्ध में चर्चा करते हुए वी-क्लब की अध्यक्ष रुचि राजा परमार ने बताया कि संगठन द्वारा आयोजन को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए गए हैं। आज कुंडेश्वर में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया है। सचिव रश्मि निरंजन ने बताया कि आज 14 दिसम्बर संगठन द्वारा आयोजित कन्या विवाह के दौरान प्रयास है कि दोनों पक्षों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और विवाह बेहतर तरीके से संपन्न हों। कार्यक्रम में पांच कन्याओं के विवाह किए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम सुबह 8 बजे से शुरू होकर विवाह संपन्न होने तक चलेगा। अध्यक्ष रूचि परमार ने बताया कि इस विवाह कार्यक्रम में अनाथ आश्रम से आई एक बच्ची भी शामिल है। पांच विवाहों के जोड़ों के नाम भी प्राप्त हो चुके हैं। सुश्री परमार ने बताया कि विवाह के लिए रखी गई शर्तों को पूरा करने वाले जोड़ों को ही मान्य किया गया है। कन्या की उम्र 18 एवं वर की उम्र 21 वर्ष होना आवश्यक रखा गया है। इसके अलावा उन कन्याओं को प्राथमिकता दी गई है, जिनके माता या पिता नहीं हैं। जिन कन्याओं के परिजन विवाह कर पाने में असमर्थ हैं। बीपीएल कार्डधारी परिवारों को भी प्राथमिकता दी गई है। आधार कार्ड देखने के बाद ही विवाह के लिए मान्य किया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान बारातियों के स्वागत सत्कार से लेकर अन्य सभी नेंगचारों को पूरा किया जाएगा। विवाह के दौरान कन्याओं को फर्नीचर, बर्तन, कपड़े एवं जेवरात आदि दिए जाएंगे। वर और कन्या के साथ आने वाले सदस्यों के भोजनादि की व्यवस्था कर ली गई है। विवाह का पूरा खर्च संगठन उठाएगा। बारात के स्वागत के साथ ही डीजे, घोड़ा एवं आतिशबाजी का इंतजाम भी संगठन की ओर से ही होगा। सुश्री परमार ने कहा कि आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए प्रशासन को सूचना दी जा रही है। कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। तैयारियों में लगी अध्यक्ष सुश्री रूचि राजा परमार, सचिव श्रीमती रश्मि निरंजन, कोषाध्यक्ष सुजाता जैन, शिवानी खेवरिया रीजनल कॉ-आर्डीनेटर सहित सदस्य रोशनी चतुर्वेदी, सुमन साहू, सीमा नुना, स्मृति अग्रवाल, निहारिका, अंजलि जैन, दीप साहू, रजनी रावत, अनु भामरी आदि कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी हुई हैं।

जिला उपभोक्ता फोरम ने बैंक द्वारा वसूला अधिक ब्याज वापस लौटाया

दमोह देशबन्धु। धमेन्द्र दुबे पिता ग्याप्रसाद दुबे, उम्र 40 वर्ष निवासी चन्डी जी वार्ड, हटा जिला दमोह ने 04 जनवरी 2016 को कस्टम हायरिंग योजना सेंटर हेतु 11 लाख 34 हजार 790 रूपये का ऋण लिया था जिसकी मार्जिन मनी 2 लाख 27 हजार रू उसने जमा की थी तथा उसे उक्त ऋण पर 4 लाख 36 हजार 125 रूपये की सब्सिडी प्राप्त हुई थी, परन्तु अनावेदक बैंक द्वारा सब्सिडी की राशि जो आदेश दिनांक 28 जनवरी 2016 से प्राप्त हुई थी जिसको लगभग 4 साल बाद जमा किया और उससे सब्सिडी की राशि पर भी ब्याज लिया गया है।

न्यायालय में परिवाद क्रमांक 210/2022 दिनांक 15/06/2021 को प्रस्तुत किया गया तब बैंक ने ली गई ब्याज की अधिक राशि में से 3 लाख लौटाये परंतु इस अवधि की पार्ट पीरियड इंट्रेस्ट राशि लौटाने में आनाकानी की जिससे असहमत होकर आवेदक ने जिला उपभोक्ता फोरम की शरण ली। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग द्वारा आवेदन पर दिनांक 13/12/2023 को एक अहम आदेश देते हुये अनावेदकगण शाखा प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफइंडिया शाखा हटा जिला दमोह, प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया रीजनल ऑफिस सागर एवं प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया कार्पोरेशन ऑफिस मुम्बई को अनुदान राशि जो कि दिनांक 28/10/2016 को प्राप्त हुई थी, दिनांक 28/10/2016 को ही ऋण खाते में जमा की जाकर, अवशेष राशि पर किस्त व ब्याज की तालिका पुनः तैयार की जाकर, 3,10,309/8 अतिरिक्त ब्याज जो भी समायोजन बनाता है सब्सिडी राशि घटाकर यदि ब्याज लिया गया है, तो उसे परिवादी के खाते में समायोजित किया जायें, एवं प्रस्तुत दिनांक 15/06/2021 से अदायगी दिनांक तक 7 प्रतिशत की दर से ब्याज की राशि अदा की जायें। अनावेदक द्वारा परिवादी को सेवा में कमी के लिये 10,000 रु एवं वाद-व्यय के मद में 3,000 रूपये पृथक से भुगतान किये जायें। उक्त परिवाद की पैरवी अधिवक्ता श्याम सुन्दर विश्वकर्मा शासकीय अधिवक्ता भारत सरकार एवं अधिवक्ता पवन राज (हिण्डोरिया) दमोह, कार्यालय शासकीय अधिवक्ता भारत सरकार स्टेनोग्राफर कुमारी शुनाली विश्वकर्मा ने की है।

लंबित अवमानना प्रकरणों में समय सीमा में प्रस्तुत करें जवाब दावा

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर हरजिंदर सिंह ने उच्च न्यायालय जबलपुर में लंबित अवमानना प्रकरणों में निर्धारित समय सीमा में समस्त कार्यालय प्रमुखों को जवाबदावा प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उच्चतम न्यायालय और जिला न्यायालय में लंबित याचिकाओं में भी नियत समय पर जवाबदावा प्रस्तुत कर पारित आदेश का विधि अनुसार नियत समय सीमा में पालन कराने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

उन्होंने कहा है कि पूर्व में भी न्यायालय द्वारा प्राप्त रिट और विविध याचिकाओं में शासन प्रतिरक्षण के लिए जवाबदावा प्रस्तुत करने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं, लेकिन न्यायालयों में रिट और विविध याचिकाओं में समय पर जवाबदावा प्रस्तुत नहीं होने के कारण न्यायालय द्वारा एकपक्षीय आदेश पारित करने की कार्यवाही की जाती है। आदेश का पालन नहीं होने से अवमानना प्रकरण भी दायर किए जाते हैं। शासन स्तर से इस संबंध में असंतोष भी व्यक्त किया जाता है। इसलिए लंबित प्रकरणों में सतत् निगरानी के साथ सात दिवस में अनिवार्य रूप से जवाबदावा प्रस्तुत करने की कार्यवाही की जाए। साथ ही उच्च न्यायालय में रिट याचिका और विविध याचिकाओं में पारित निर्णय अनुसार भी निर्धारित समय सीमा में कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। अवमानना की स्थिति उत्पन्न होने पर संबंधित विभाग के कार्यालय प्रमुख की जिम्मेदारी होगी।

दुष्कर्म के आरोपी लक्ष्मीकांत को बीस वर्ष का कारावास

पन्ना, देशबन्धु। दुष्कर्म के आरोपरी लक्ष्मीकांत दहायत को विशेष न्यायधीश महेन्द्र मंगोदिया की न्यायालय द्वारा बीस वर्ष के कठोर कारावास की सजा से दण्डित किया गया है। घटना के संबंध में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी ऋषिकांत द्विवेदी के बताये अनुसार घटना संक्षेप में इस प्रकार है कि, फरियादी ने 14 जुलाई 2022 को थाना अमानगंज में उपस्थित होकर इस आशय की रिपोर्ट लेख करायी कि 13 जुलाई 2021 को वह, उसकी पत्नी एवं पुत्री अभियोक्त्री मजदूरी करने के लिए बाहर जाने की तैयारी कर रहे थे, बाहर जाने के लिए किराए के लिए पैसे न होने के कारण वह जाहर चौधरी के पास पैसा लेने के लिए शाम लगभग 08 बजे गया तथा रात्रि 10 बजे जब वह वापस घर आया तो उसकी पत्नी ने बताया कि अभियोक्त्री घर से कहीं चली गयी है, वह तलाशती रही परंतु कोई पता नहीं चल रहा है, उसने सोचा कि गांव में होगी आ जाएगी, परंतु जब वह काफी देर तक घर नहीं आयी तो उसने एवं उसकी पत्नी ने अभियोक्त्री का पता किया, परंतु कोई पता नहीं चल रहा है। उसे शंका है कि उसकी लड़की को अंजू उर्फलक्ष्मीकांत भगाकर ले गया है। जिसके आधार पर गुम इंसान पंजीयन लेखबद्ध किया गया। उक्त पंजीयन के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध थाना अमानगंज में अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना अभियोक्त्री को 14 सितम्बर 2022 को वृंदावन उप्र से दस्तयाब कर दस्तयाबी पंचनामा तैयार किया गया। अभियोक्त्री के कथन उसके बताये अनुसार लेख किये गये। सुसंगत साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किए गए एवं घटनास्थल का नक्शामौका तैयार किया गया। सम्पूर्ण विवेचना उपरांत अभियुक्त के विरूद्ध अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। न्यायालय महेन्द्र मंगोदिया विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट पन्ना के न्यायालय में प्रकरण का विचारण हुआ। शासन की ओर से पैरवी जिला लोक अभियोजन अधिकारी संदीप कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजकध्वरिष्ठ सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी दिनेश खरे द्वारा की गयी। अभियोजन द्वारा साक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से लेखबद्ध कराकर न्यायालय के समक्ष आरोपी लक्ष्मीकांत उर्फअंजू दहायत के विरूद्ध अपराध को संदेह से परे प्रमाणित किया तथा आरोपी के कृत्य को गंभीरतम श्रेणी का मानते हुये कठोर से कठोरतम दंड से दंडित किया जाने का अनुरोध किया। अभिलेख पर आई साक्ष्य और अभियोजन के तर्कों एवं न्यायिक दृष्टांतो से सहमत होते हुए न्यायालय महेन्द्र मंगोदिया विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट पन्ना के न्यायालय द्वारा आरोपी लक्ष्मीकांत उर्फअंजू दहायत उम्र 31 वर्ष, निवासी थाना अमानगंज जिला पन्ना को क्रमशः धारा. 363 भादसं 5एल/6 पॉक्सो एक्ट के आरोप में 05 वर्ष का सश्रम कारावास, 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500-500 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

बंदीजन किये गये अपराध के लिए पाश्चाताप करते हुए आत्म चिंतन करें तथा अच्छा नागरिक बनकर समाज के सहभागी बनें: राजेन्द्र सिंह

जिला जेल, पन्ना में स्वास्थ्य परीक्षण सह विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

पन्ना, देशबन्धु। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणए जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भावना साधौ के मार्गदर्शन में एवं जिला न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पन्ना राजेंद्र कुमार पाटीदार की अध्यक्षता, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेंद्र सिंह शाक्य, प्रभारी जेल अधीक्षक आरपी मिश्रा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेंद्र सिंह परस्ते की उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पन्ना द्वारा जिला जेल, पन्ना में क्षय रोग स्वाथ्य परीक्षण सह विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया था। उक्त कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश सह सचिव राजेंद्र कुमार पाटीदार के द्वारा मोटर व्हीकल अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी एवं मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों की कार्यवाही संबंधी संपूर्ण जानकारी विस्तार से प्रदान की एवं बंदियों को किए गए अपराध के संबंध में आत्म चिंतन करते हुए पश्चाताप कर भविष्य में अपराध न करने का प्रण लेकर समाज में अच्छे नागरिक के रूप में जीवन यापन करने का करने हेतु प्रेरित किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शाक्य ने बंदियों के स्वास्थ व न्यायालय में पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाने के संबंध में जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेंद्र सिंह परस्ते ने कार्यक्रम में उपस्थित बंदियों को नालसा व सालसा की योजनाओं व विधिक अधिकारों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए आपराधिक मनोवृत्ति त्याग कर सौदा अभिवाक व राजीनामा संबंधी प्रावधानों का लाभ लेकर आगामी लोक अदालत में प्रकरण समाप्त करवाए जाने हेतु प्रेरित किया। असिस्टेंट डिफेन्स काउंसिल कु विजयलक्ष्मी ने महिलाओं से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल आनंद त्रिपाठी ने लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम द्वारा बंदियों के प्रकरणों में की जा रही संपूर्ण कार्यवाही संबंधी जानकारी प्रदान की। तदोपरांत तदुपरांत उपस्थित समस्त महिला एवं पुरुष बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं क्षय रोग संबंधी जांच कराई गई। प्रभारी जेल अधीक्षक आरपी मिश्रा ने आभार प्रदर्शन करते हुए बंदियो को उक्त कार्यक्रम में प्रदान की गई जानकारी को अमल में लाने हेतु समझाइश दी।

ग्रामीण डाक सेवकों कि अनिश्चितकालीन हड़ताल डाक वितरण सहित सभी कार्य हुए ठप्प

दमोह देशबन्धु। विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार से चल रही यह अनिश्चितकालीन हड़ताल बुधवार को भी जारी रही, हड़ताली कर्मचारियों ने दमोह मुख्य डाकघर के मेन गेट पर कि नारेबाजी और धरना जारी है। डाक सेवकों कि प्रमुख मांगे 1. 8 घंटे कार्य के साथ ही सभी लाभ दिये जावे , कमलेश चंद्र समिति कि सभी सकारात्मक सिफारिशों को लागू कर 5 लाख का ग्रुप बीमा किया जावे,साथ ही चिकित्सा सुविधा सहित ग्रेच्युटी को 5 लाख किया जावे और साथ ही टारगेट के नाम पर किसी भी शाखा डाकपाल को मानसिक प्रताड़ित न किया जावे शाखा डाकघर में जल्दी कार्य हो इस हेतु प्रिंटर, कम्प्यूटर ब्रांड बैंड नेटवर्क उपलब्ध कराया जावे। धरने पर संघ के प्रमुख शाखा सचिव वीरेन्द्र राजपूत और योगेश मिश्रा, निशांत श्रीवास्तव, सौरव राही, नीलेश राज, गोविंद रैकवार,आकाश पटेल सहित सभी शाखाडाकपाल कि मौजूदगी रही।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे पन्ना जिले के खिलाडियो ने जीते 14 पदक

पन्ना, देशबन्धु। 9 वीं राज्यस्तरीय जु.जित्सु प्रतियोगिता 2023 में पन्ना जिले के खिलाड़ियों ने अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए जु.जित्सु प्रतियोगिता में 14 मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। उक्त प्रतियोगिता में पन्ना जिले से 14 खिलाडी शामिल हुए थे। जिन्होंने 9 गोल्ड, 3 सिल्वर तथा 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर प्रदेश भर मे जिले का गौरव बढाया है।

मुख्य प्रशिक्षक इरफान खान ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष विजेन्द्र खरसोदिया, सचिव रोहिणी कलम द्वारा 8 से 11 दिसम्बर 2023 तक भोपाल में आयोजित हुई सब जूनियर, जूनियर सीनियर प्रदेश स्तरीय जु.जित्सु प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जितने वाले सभी खिलाड़ियों को आगामी दिनों में होने वाली राष्ट्रीय जु.जित्सु प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश जु.जित्सु टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उन्होंने बताया कि जु.जित्सु खेल में पांच इवेंट होते है, एक खिलाडी को अपने कोई भी इवेंट खेलने होते है, जिसमें नेवजा, फाइटिंग सिस्टम, फुल कांटेक्ट, नो गी एवं डयू सिस्टम सेल्फड़िफेंस शामिल है। उन्होनें बताया कि.45 कि.ग्रा. वर्ग में हर्षिता विश्वकर्मा इवेंट फुल कांटेक्ट में गोल्ड मेडल जीता, 50 कि.ग्रा. वर्ग मे अनिकेत श्रीवास्तव ने इवेंट नेवजा, फाइटिंग सिस्टम एवं कांटेक्ट में गोल्ड मेडल जीते, 45 कि.ग्रा. दिव्यांष साहू इवेंट नेवजा एवं फाइटिंग सिस्टम गोल्ड मेडल जीते, 55 कि.ग्रा. वर्ग पियूश विश्वकर्मा इवेंट फाइटिंग सिस्टम एवं कांटेक्ट में गोल्ड मेडल जीता, 45 कि.ग्रा. वर्ग रीनादेवी लोध इवेंट फाइटिंग सिस्टम में गोल्ड मेडल जीता, 55 कि.ग्रा. वर्ग पियूष विश्वकर्मा ने इवेंट नेवजा में सिल्वा मेडल जीता, 38 कि.ग्रा. वर्ग में अर्थव गौतम इवेंट फाइटिंग सिस्टम में सिल्वा मेडल जीता, 45 कि.ग्रा. वर्ग रीनादेवी लोध इवेंट नेवजा में सिल्वा मेडल जीता और 45 कि.ग्रा. वर्ग में हर्षिता विष्वकर्मा इवेंट नेवजा एवं फाइटिंग सिस्टम ब्रॉन्ज मेडल जीता है। जिला जु.जित्सु संघ पन्ना के अध्यक्ष तरूण पाठक, सचिव इरफान खान सहित नईम खान संचालक चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल पन्ना, जिला वुषू संघ पन्ना अध्यक्ष संगीता श्रीवास्तव खेल प्रशिक्षक पहलवान सिंह, लॉरेंस एट्स, राजेश ठाकुर, बलराम सेन, सैफ उल्ला, महेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, लक्ष्मी गौतम, रामकिशोर सिंह, धमेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने सभी खिलाड़ियों का सम्मानित कर शुभकामनाएं व बधाई दी।

पिता-पुत्र ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव

पचमढ़ी, देशबंधु। पचमढ़ी निवासी पिता-पुत्र की जोड़ी ने फुटबॉल खेल में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है। कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में सहभागिता कर नगर को गौरवांवित किया। वहीं उनके पिता संतोष यादव ने राजधानी दिल्ली में आयोजित मध्यप्रदेश सिविल सर्विसेज फुटबॉल प्रतियोगिता का प्रतिनिधित्व करेंगे। जो कि दिनांक 15 से 21 दिसम्बर तक आयोजित की जाएगी। पिता-पुत्र ने यह उपलब्धि महज एक वर्ष के भीतर अर्जित की है। उनके पिता पुत्र की इस उपलब्धि पर परिवार जनों, संस्था परिवार ,समस्त खेल संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

रूपेन्द्र विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रम में शामिल हुए

पचमढ़ी, देशबन्धु। विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नगर के रूपेन्द्र साहू ने गत दिवस दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में शिरकत की। इस कार्यक्रम में उज्जैन की छात्र नेता शालिनी वर्मा को राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व मिला। अधिवेशन का उद्घाटन गृह मंत्री अमित शाह ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। अधिवेशन में शामिल होकर दिल्ली से लौटने पर रूपेन्द्र का पचमढ़ी पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

प्रेम शंकर दुबे का स्मरण दिवस आज

इटारसी, देशबन्धु। श्री प्रेमशंकर दुबे का 32 वॉ पुण्य स्मरण दिवस कल 14 दिसंबर को मनाया जाएगा। नर्मदा अंचल के शीर्ष पत्रकार प्रेम शंकर दुबे का 32 वॉ पूर्ण स्मरण दिवस कल 14 दिसंबर गुरुवार को प्रातः 11 बजे से उन्हीं के नाम पर स्थापित श्री प्रेम शंकर दुबे स्मृति पत्रकार भवन में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा रहेंगे तथा अध्यक्षता नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे करेंगे। इस अवसर पर विशेष अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत रहें। कार्यक्रम में राजनेता, पत्रकार, व्यापारी, समाजसेवी, साहित्यकार एवं स्नेही स्वजन, शुभचिंतक आमंत्रित किए हैं। नर्मदा पुरम पत्रकार संघ के अध्यक्ष प्रमोद पगारे, संभागीय अध्यक्ष रोहित नागे, कोषाध्यक्ष राजेश दुबे एवं कार्यक्रम संयोजक भूपेंद्र विश्वकर्मा ने कहा की श्री प्रेम शंकर दुबे का जन्म 1 सितंबर 1926 को समीप के ग्राम बिछुआ में हुआ था एवं उनका देवलोक गमन 14 दिसंबर 1991 को हुआ स्वर्गीय श्री दुबे ने विपरीत परिस्थितियों में पत्रकारिता की एवं इटारसी का नाम पूरे देश में रोशन किया उनकी स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहते हैं।

चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से

इटारसी, देशबन्धु। जिला सर्वधर्म सद्भाव समिति के तत्वावधान में चाणक्य कप टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता 17 से 24 दिसंबर तक गांधी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। आज यहां पत्रकार भवन में आयोजित बैठक में प्रतिस्पर्धा के सूत्रधार सर्वब्राह्मण समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र ओझा, सर्वधर्म सद्भाव के जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने बताया कि जिला सर्व ब्राह्मण समाज का सदैव उद्देश्य नैकी का रहा है और इस उद्देश्य की प्राप्ति में सभी समाजों का सहयोग अपेक्षित है। अपनी तरह के इस अनूठे आयोजन में शहर इटारसी के लगभग 24 समाजों की टीमें आपसी भाईचारे और सामंजस्य के उत्कृष्ट उदाहरण के साथ शहर की फिजां में मेलजोल का रस घोलने गांधी स्टेडियम में अपनी खेल भावना का प्रदर्शन करेंगी। ओझा ने बताया कि देशभर में ऐसी एकता की मिसाल दूसरी नहीं हो सकती जो शहर इटारसी में भाइचारे की देखने को मिलती है। देश के किसी भी हिस्से में किसी भी प्रकार की हलचल या अराजकता हो पर इटारसी में हमेशा हम, एक हैं और सदैव भाईचारे के संदेश को ही प्रसारित करते हैं। आपस में यह प्रगाढ़ता और बढ़े इसी उद्देश्य को लेकर इस टूर्नामेंट के आयोजन की नींव रखी गई है। टूर्नामेंट प्रबंधन समिति के राकेश दुबे के अनुसार टूर्नामेंट की विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 35000 रुपए की नगद राशि जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 21000 रुपए की नगद राशि प्रदान की जायेगी। एंट्री फीस 3500 रुपये रखी गयी है। इस अवसर पर आयोजन समिति प्रमुख जितेन्द्र ओझा, आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि इस आयोजन का एकमात्र उद्देश्य खेल के माध्यम से इटारसी के विभिन्न समाजों में एकता की अलख जगाना है।

ट्रेन की टक्कर लगने से युवक घायल

दमोह देशबन्धु। 50 वर्षीय व्यक्ति को ट्रेन की टक्कर लगने पर इलाज के लिए मंगलवार-बुधवार की रात्रि करीब 3 बजे 108 के द्वारा आरपीएफ पुलिस ने भर्ती कराया था, जिसकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने जबलपुर रेफर कर दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार सोहनलाल एक कार्ड में लिखा हुआ मिला है, जो की उदयपुर का निवासी बताया जा रहा है.फ्लिहाल स्थानीय पुलिस, आरपीएफपुलिस, जीआरपी पुलिस और जिला अस्पताल शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा अंतर्गत कार्यक्रम संपन्न

दमोह देशबन्धु। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में रेड रिबन क्लब के अंतर्गत विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा कार्यक्रम 15 दिसंबर तक आयोजित किया जायेगा। इसी क्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर के पी अहिरवार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा रेड रिबन कैंडल लाइट जलाकर एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय दमोह के नोडल ऑफिसर डॉक्टर गौरव जैन, एड्स काउंसलर चौतन्य नायक एवं दिनेश असाटी द्वारा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉक्टर पी.के. जैन, रेड रिबन क्लब कार्यक्रम प्रभारी डॉ मीरा माधुरी महंत, महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संभागीय वीरकप सीजन फ्री क्रिकेट टूनामेट का शुभारंभ

दमोह देशबन्धु। स्व.हरि सिंह हजारी, स्व. भोल शर्मा, स्व.प्रेमशंकर मुन्ना राय की स्मृति में संभागीय वीरकप सीजन फ्री क्रिकेट टूनामेंट का शुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि टूनामेंट के संरक्षक राकेश सिंह हजारी, अमर सिंह राजपूत, लक्ष्मण सिंह राजूपत, धन सिह राजपूत, त्रिवेन्द्र सिंह राजपूत, बबलू ठाकुर, पिक्कू गौतम, अवधेश प्रताप सिंह द्वारा दोनों टीमों का परिचय लिया गया। बुधवार को दो मैच खेले गये जिसमें पायरा इलेविन एवं बादंकपुर इलेविन के मध्य खेला गया। टास बादकपुर टीम द्वारा जीता गया, जिसमें उनके द्वारा फील्डिंग का निर्णय लिया गया। पायरा इलेविंग टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 09 विकेट पर 110 रन का लक्ष्य रखा गया। बांदकपुर इलेविंग द्वारा यह मैच 6 विकेट से जीता गया। मेन ऑफदा मैच बासु, दूसरा मैच मॉ बड़ीदेवी दमोह एवं एम.डी.स्टार के मध्य खेला गया जिसमे एम्.डी.स्टार टीम नें निर्धारित ओवर में 102 रन बनाये, मॉ बड़ीदेवी टीम के द्वारा निर्धारित ओंवरों में कुल 11 ओवर रन बनाये जिसमें 102 रन विजयी हुये, मैच आफदा मैच गोपाल पटैल को दिया गया। टूनामेंट के अध्यक्ष रणवीर सिंह हजारी, मनीष शर्मा एवं चिन्टू राय एवं समस्त सदस्यो ने सभी खिलाड़ियों एवं दर्शकों को आभार व्यक्त किया गया।

समय-सीमा बैठक संपन्न, दिए गये अहम दिशा-निर्देश

विकसित भारत संकल्प यात्रा 16 दिसम्बर से सभी अधिकारी सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें : कलेक्टर

दमोह देशबन्धु। विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले में 16 दिसंबर से शुरू होगी। यह यात्रा प्रतिदिन अपने 02 पंचायत को कवर करेगी और सभी अधिकारी निर्देशानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। सभी एसडीएम अपने स्तर से अधिकारियों की ड्युटी तय कर लें और नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति कर ली जाए स इस आशय के निर्देश कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने आज समय-सीमा बैठक के दौरान दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा और अपर कलेक्टर मीना मसराम विशेष रूप से मौजूद रही। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2024 तक चलेगी। उन्होंने नगरीय और ग्रामीण निकायों के अधिकारियों से योजनाओं के प्रचार-प्रसार और की जाने वाली कार्यवाही

के संबंध में विस्तार से अवगत कराते हुए तदानुसार कार्यवाही के लिए कहा। बैठक में मौजूद सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में बिंदुवार सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि दी गई जानकारी अनुसार कार्रवाई की जानी हैं और प्रतिदिन जानकारी पोर्टल पर फीड की जाएगी।

कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा है कि स्कूल अपने निर्धारित समय पर खुले, यह सुनिश्चित किया जाए। इस हेतु जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना सामन्वयक आकस्मिक रूप से दौरे पर जाएं और स्कूलों का निरीक्षण का रिपोर्ट दें। उन्होंने कहा शिक्षक अवकाश पर जाते हैं, केवल आवेदन नहीं उसमें स्वीकृति भी होनी चाहिए, अन्यथा कड़ी कार्रवाई संबंधित के विरुद्ध की जाएगी। उन्होंने कहा अब वह दौरे पर जाएंगे, इस तरह की अगर जानकारी सामने आएगी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर के निर्देशन में दमोह हेल्पलाइन जिसका नंबर 07812-350300 हैं। इस पर आम जन राशन दुकान, स्कूल आंगनबाड़ी और पंचायत कार्यालय समय पर नहीं खुल रहे हैं, की शिकायत की जा सकती है, इन शिकायतों का 24 घंटे के अंदर निराकरण किया जाता है।

ढाई हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया कोटवार

जमीन नामांतरण के कागज देने के एवज में मांग रहा था 4 हजार की रिश्वत

सागर, देशबन्धु। लोकायुक्त की टीम ने ढाई हजार रुपए रिश्वत लेते हुए कोटवार को रंगे हाथ पकड़ा है। कोटवार जमीन नामांतरण के दस्तावेज दिलाने के एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। मामले की शिकायत पर लोकायुक्त ने कार्रवाई करते हुए कोटवार को रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। कोटवार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार फरियादी नीरज पुत्र शिवप्रसाद दुबे निवासी गायत्री कॉलोनी मकरोनिया ने मंगलवार को लोकायुक्त कार्यालय सागर में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि उसकी जमीन केरबना में है। जमीन का नामांतरण कराने के लिए तहसील कार्यालय में आवेदन किया था। इसी दौरान केरबना का कोटवार जोगेंद्र पुत्र झल्लू चढ़ार निवासी केरबना जमीन के नामांतरण के कागज देने के एवज में 4 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। शिकायत मिलते ही लोकायुक्त ने जांच शुरू की। जांच में शिकायत सही पाई गई। जिसके बाद फरियादी नीरज दुबे ने कोटवार से बात की। बुधवार को रिश्वत की राशि 2500 रुपए देने की बात तय हुई। बुधवार को लोकायुक्त टीम ने फरियादी नीरज को रिश्वत की राशि लेकर भेजा। केरबना में आम सड़क पर जैसे ही नीरज ने रिश्वत की राशि 2500 रुपए कोटवार को दी, वैसे ही लोकायुक्त टीम ने दबिश देकर कोटवार को रंगे हाथ धरदबोचा। लोकायुक्त निरीक्षक केपीएस बेन ने बताया कि जमीन नामांतरण के कागज देने के एवज में 2500 रुपए की रिश्वत लेते हुए कोटवार जोगेंद्र चढ़ार को पकड़ा है। कोटवार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। कार्यवाही टीम में लोकायुक्त डीएसपी मंजू सिंह, निरीक्षक अभिषेक वर्मा, अजय छेत्री, संतोष गोस्वामी, निलेश, सुरेंद्र प्रताप सिंह, संजीव अग्निहोत्री और आशुतोष व्यास शामिल थे।

पुलिस ने चोर गिरोह को किया गिरफ्तार

चोरी गया मशरुका मय पिकअप वाहन के किया बरामद

बण्डा, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी द्वारा चोरियो की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान में चोरी गये माल की बरामदगी व चोरी की घटनाओ की रोकथाम हेतु निर्देशित किया गया था पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार डॉ. संजीव कुमार उइके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना, शिखा सोनी एसडीओपी बण्डा के मार्गदर्शन में थाना क्षेत्र के चोरी की घटनाओ की रोकथाम व चोरी गया मशरुका बरामदगी, आरोपियो की गिरिफ्तारी हेतु थाना प्रभारी बंडा के नेतृत्व में टीम गठित की जाकर गंभीरता से प्रयास करने पर 9 दिसम्बर 2023 को फरियादी दीपक पिता श्यामलाल यादव उम्र 34 साल निवासी वार्ड क्र.14 बण्डा ने रिपोर्ट लेख कराया कि 7 दिसम्बर 2023 की दरम्यानी रात्रि डॉ. अम्बेडकर उपभोक्ता भण्डार दलपतपुर में कोई अज्ञात चोर द्वारा दुकान का ताला तोडकर 6 बोरी गेहू 11 बोरी चावल कुल कीमत 23,000 रुपए की चोरी कर ले गया कि रिपोर्ट पर थाना पर अप. क्र. 1014/23 धारा 457, 380 ता.हि. व 12 दिसम्बर 2023 को फरियादी सौरभ पिता सनत कुमार जैन उम्र 36 साल निवासी वार्ड क्र. 13 बरायठा स्टेण्ड बण्डा ने रिपोर्ट लेख कराया कि कस्बा बण्डा में इसके गौदाम में रखी कुल 74 बोरी उडद व 6 बोरी गेहू कुल कीमत एक लाख पचास हजार रुपये की गोदाम का ताला तोडकर चोरी कर ले गया कि रिपोर्ट पर थाना बण्डा में अप. क्र.1017/23 धारा 457, 380 ता.हि. का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान थाना स्तर पर गठित टीम को सक्रिय कर पतारसी हेतु हर संभव प्रयास किये गये जाने पर सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर अज्ञात चोरी की तलाश पतारसी की गई जो 13 दिसम्बर 2023 को आरोपी विजय पिता कोमाल अहिरवार उम्र 24 साल निवासी वार्ड क्र. 15 बण्डा, गोलू उर्फ प्रदीप पिता इमरता अहिरवार उम्र 29 साल निवासी वार्ड क्र. 15 बण्डा, पूरन पिता कछेदी अहिरवार उम्र 30 साल निवासी वार्ड क्र.15 बण्डा, भगवान पिता स्व. महेन्द्र सिंह परिहार उम्र 58 साल निवासी ग्राम जैतपुरा थाना बकस्वाहा जिला छतरपुर का वाहन क्र. एमपी 15 जी.5403 पिकअप वाहन में 25 बोरी उडद व 2 बोरी गेहू रखे होने व बेचने की फिराक में बाहर जाने की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्यवाही करते हेतु मौके पर पहुंचकर आरोपियो से पिकअप वाहन में रखी उडद व गेहू के संबध में बारीकी से पूछताछ किया जिन्होंने सौरभ जैन की गौदाम से चोरी करना बताया व 7 दिसम्बर 2023 को में उपभोक्ता भण्डार दलपतपुर में व अन्य जगह भी चोरी करना स्वीकार किया गया है। आरोपियो से घटना में प्रयुक्त वाहन क्र. एमपी.15जी.5403 व 25 बोरी उडद व 2 बोर गेहूं मशरुका बरामद किया गया है शेष चोरी गये मशरुका की बरामदगी हेतु प्रयास जारी है। आरोपियो को गिरफ्तार कर जेआर पर न्यायालय बण्डा मे पेश किया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक नसीर फारुकी, मुन्ना लाल धुर्वे, अरुण श्रीवास्तव, महेन्द्र सिंह, प्रदीप राजपूत, खिलान सिंह, पुष्पेन्द्र शर्मा, बालकृष्ण धुर्वे का योगदान रहा।

विशेष स्वच्छता अभियान चलाया

मकरोनिया, देशबन्धु। बुधवार को नगर पालिका परिषद मकरोनिया द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नगर को स्वच्छ बनाने के लिए नगर पालिका क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर साफ-सफाई की गई एवं नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत क्लीन टॉयलेट अभियान चलाकर क्षेत्र में स्थित टॉयलेटों को साफ किया गया एवं सामुदायिक शौचालय की सफाई की गई एवं नागरिकों को साफ सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। जिसमें युवाओं स्व. सहायता समूह मां भारती महिला मंडल स्व सहायता समूह, सामाजिक संगठनों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी रीता केलाशिया, उपयंत्री महादेव सोनी, स्वच्छता प्रभारी परवेज अली, नगर पालिका सफाई मित्र, नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीआईएस सर्वे में नगर निगम ने कोई भी नया संपत्ति कर नहीं लगाया, नही करों में वृद्धि की

सागर, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा नगर निगम सीमा क्षेत्र की संपत्तियों में किसी भी प्रकार का नया कर नहीं लगाया गया है और न ही किसी भी प्रकार की करों में वृद्धि की गई है। जीआईएस सर्वे के माध्यम से नगर निगम क्षेत्र की संपत्तियों के क्षेत्रफल एवं उनके उपयोग व्यावसायिक अथवा रहवासी के प्रकार का निर्धारण किया गया है जो पूरे प्रदेश में लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक संपत्ति का वास्तविक मूल्यांकन करना है तथा छूटी हुई तथा नवनिर्मित संपत्तियों को शामिल कर संपत्ति कर के दायरे में लाना है, जिसके फलस्वरुप नगर निगम में दर्ज संपत्तियों की संख्या में लगभग 10 हजार संपत्तियों की वृद्धि हुई है और उन्हें संपत्तिकर के दायरे में लाया गया है। शासन की गाइडलाइन अनुसार ही संपत्तिकर का निर्धारण किया गया है, नागरिक ई.नगर पालिका पोर्टल पर जाकर स्वयं भी अपने संपत्तिकर का निर्धारण कर सकते हैं। राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी ने बताया कि संपत्ति कर बिल के संबंध में अगर किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति है तो वह नगर निगम कार्यालय में अपने संपत्ति स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों के साथ अपनी आपत्ति दर्ज कराकर सुधार करवा सकते हैं जिसका परीक्षण करवाकर नियम अनुसार कार्रवाई की जावेगी।

मीठा बोलो, सोच विचार कर बोलो, जिससे बाद में पछताना न पड़े: मुनिश्री

सागर, देशबन्धु। क्रोध की भाषा ही महाभारत की परिभाषा है। कर्कश वाणी पशुत्व का प्रतीक है, मधुर वाणी देवत्व का प्रतीक है यह बात मुनि श्री सुदत्तसागर ने श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विजय टॉकीज चौराहा में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही, मुनि श्री ने कहा लाठी एवं पत्थरों से हड्डियां टूटती हैं परंतु शब्दों से प्राय: संबंध टूट जाते हैं। जो वाणी मित्रों एवं रिश्तेदारों के सामने निकलती है वही वाणी परिवार वालों के सामने निकले तो घर स्वर्ग बन जाता है। कष्ट कांटों के चुभने से कम और बातों के चुभने से ज्यादा होता है। मीठा बोलो, सोच विचार कर बोलो, जिससे बाद में पछताना न पड़े। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा गलती सबसे होती है, गुस्सा सबको आता है, फिर बुरा मानने की जगह हमें सुधार की किरण तलाश करना चाहिए। जिंदगी जीने का मकसद खास होना चाहिए। हमें अपने आप पर विश्वास होना चाहिए, जीवन में खुशियों की कमी नहीं है, बस उन्हें मनाने का अंदाज सही होना चाहिए।

राज्य सेवा परीक्षा 17 दिसंबर को, दो पारियों में होगी

सागर, देशबन्धु। रविवार 17 दिसंबर को होने वाली राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 के लिए देवेंद्र सिंह मरकाम पूर्व सदस्य मप्र लोक सेवा आयोग को सागर संभाग के संभागीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। परीक्षा आयोजन की व्यवस्थाओं के अतिरिक्त संपूर्ण परीक्षा की प्रक्रियात्मक निष्पक्षता एवं नागरिकों में उसके प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये हैं। परीक्षा रविवार को दो सत्रों में प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2.15 से 4.15 तक आयोजित की जाएगी। संभागीय पर्यवेक्षक देवेंद्र सिंह मरकाम की लायजिनिंग व्यवस्था हेतु महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र. 1 के प्राचार्य विनय दुबे को नियुक्त किया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए निकाय क्षेत्रों में समितियों का गठन

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर दीपक आर्य ने नगरीय निकाय क्षेत्रों में विकसित भारत संकल्प यात्रा के आयोजन हेतु नगरपालिका स्तर पर एक-एक समिति गठित करने के आदेश जारी किये है। आदेश के मुताबिक कलेक्टर स्वंय समिति के अध्यक्ष होंगे, वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सदस्य सचिव होंगे। इसके अलावा समिति में अन्य 17 सदस्यों को भी शामिल किया गया है।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक की साईकिल यात्रा पर निकली टीम पहुंची सागर

सागर, देशबन्धु। कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा पर निकली चार सदस्यीय टीम सागर पहुंची। पूरे भारत में साइकिल चलाने के अनुभव के साथ महाराष्ट्र और उत्तराखंड पुणे और देहरादून की एक बहुराज्यीय टीम ने इस अभियान को शुरू किया है। 66 वर्ष की औसत आयु वाली टीम इस तरह के चुनौतीपूर्ण मिशन को लेकर वरिष्ठ नागरिकों के बीच एक उदाहरण स्थापित करने जा रही है। इस टीम में पुणे से संजय कट्टी उम्र 65 वर्ष, मोनिश चक्रवर्ती उम्र 51 वर्ष और देहरादून से एक अनुभवी युगल विश्व धीमान आयु 70 और कमलजीत सिंह आयु 74 वर्ष शामिल हैं। सागर पहुंचे साइकिल यात्रियों ने बताया कि भारत के पश्चिम से पूर्व तक देश भर में 3900 किमी की सफल साइकिल यात्रा ने हमें अगले साइकिल अभियान के लिए आवश्यक आत्मविश्वास दिया। फिर हमने उत्तर से दक्षिण यानी कश्मीर से कन्याकुमारी तक साइकिल चलाने का फैसला किया। भारत के उत्तर श्रीनगर से भारत के दक्षिण कन्याकुमारी तमिलनाडु तक महत्वाकांक्षी और चुनौतीपूर्ण स्व.समर्थित साइकिल यात्रा बिना किसी बैकअप वाहन के 3699 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यह सवारी 27 नवंबर को लाल चौक श्रीनगर से प्रारंभ हुई जो दक्षिण की ओर जाएगी और अगले 33 दिनों में भारत के 11 राज्यों से गुजरते हुए कन्याकुमारी पहुंचेगी। साइकिल यात्रा मंगलवार की रात में सागर जिला में मिडवे.ट्रीट बम्हौरी तिगड्डा पर पहुंची इस अवसर पर महेन्द्र साहू संचालक मिडवे.ट्रीट ने सभी का स्वागत किया। रात्रि विश्राम के पश्चात् बुधवार को अपने गंतब्य के लिये रवाना हो गई।

सागर, देशबन्धु। मप्र के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भाजपा नेता डॉ. अनिल तिवारी ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ के साथ सम्मान कर शुभकामनाएं दी।

13 से 15 दिसंबर तक नगर में चलाया जा रहा विशेष स्वच्छता अभियान

सागर, देशबन्धु। शासन के निर्देशानुसार 13 से 15 दिसंबर तक नगर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें समस्त जोन प्रभारियो द्वारा अपने-अपने वाडो के अंतर्गत नागरिकों और सामाजिक संगठनों से समन्वय कर आवासीय एवं सार्वजनिक क्षेत्र में विशेष सफाई और स्वच्छता संबंधी जागरूकता गतिविधियां प्रारंभ की गई है साथ ही क्लीन टॉयलेट अभियान के तहत सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयो की विशेष सफाई और नागरिकों को उनकी व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन में सहभागिता देने जागरूक किया जा रहा है। इस संबंध में निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला ने समस्त जोन प्रभारियो और वार्ड दरोगाओं को शासन के निर्देश के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

बालिका मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

बीना, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय में बालिका मूल्य संवर्धन प्रशिक्षण के अंतर्गत आठवां, नौवां एवं दसवां मॉड्यूल प्रशिक्षण दिया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. चंदा रत्नाकर ने कहा कि शिक्षित व्यक्ति को सभी जगह सम्मान मिलता है। वह अपने बुद्धि एवं विवेक से जीवन में आने वाली समस्याओं, परिवर्तनों एवं उतार-चढ़ाव को आसानी से हल कर लेता है। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. उमा लवानिया ने कहा कि सभी मॉड्यूल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, भविष्य और सुरक्षा से जुड़े हुए हैं। आप सभी को जागरूक रहकर जीवन के प्रति सतर्क एवं सकारात्मक सोच रखकर अपनी पहचान बनाना है। प्रभारी डॉ. निशा जैन ने कहा कि आपको हमेशा जीवन में समांजस्य बनाकर चलना है और आज का मॉड्यूल यह सिखाता है कि महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा और भेदभाव के प्रति हमेशा आपको जागरूक रहना चाहिए। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रशिक्षण में मुख्य वक्ता के रूप में चयनित दीपमाला सिंह, डॉ. रश्मि द्विवेदी, आरती ठाकुर, अरुण उपाध्याय, मनीष कुशवाहा को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएं एवं महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

स्थाई वारंटी चढ़ा पुलिस के हत्थे, भेजा जेल

गौरझामर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश सिन्हा, एसडीओपी देवरी के निर्देशन में और थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में स्थाई, अस्थाई और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा जिसके तहत गौरझामर थाना पुलिस ने फरार वारंटी को गिरफ्तार किया है। जिस पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है। थाना प्रभारी ब्रजमोहन कुशवाह ने जानकारी देते हुए बताया कि स्थायी वारंट आरोपी हत्ती उर्फ राजेश सौर पिता प्रीतम सौर उम्र 25 साल निवासी बिजौरा जिसे बिजौरा गांव की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया है। जहां से आरोपी को गौरझामर थाना लाया गया और फिर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से जेल भेज दिया गया। इस कार्य में प्रधान आरक्षक अशोक चौहान, अनिल कन्नौजिया की भूमिका रही।

भारतीय भाषा प्रकोष्ट का गठन

विवि की बहुभाषिक संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर, देशबन्धु। गौर समिति कक्ष कुलपति सचिवालय भारत देश की बहुभाषी संस्कृति के संरक्षण एवं इसको सतत समृद्ध करने में उच्चतर शिक्षा संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. सर हरीसिंह गौर के सपनों का यह विश्वविद्यालय केन्द्रीय विवि होने के नाते विभिन्न राज्यों के भिन्न भाषा भाषी विद्यार्थियों की आंकाक्षाओं की पूर्ति की दिशा में निरंतर कार्यरत है। इसी क्रम में विवि में भारतीय भाषा प्रकोष्ठ स्थापित किया जा रहा है। यह प्रकोष्ठ न केवल विभिन्न भाषा भाषी विद्यार्थियों के लिए संबंधित भाषा अभिभावक की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा बल्कि उनकी भाषा में पाठ्य सामग्री निर्माण, भाषा प्रशिक्षण एवं भाषा संस्कृति संरक्षण में महती भूमिका का निर्वहन करेगा। यह बात राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित विश्वद्यालयीन भारतीय भाषा समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने बताया कि भारतीय भाषा समिति में भारतीय भाषा का प्रतिनिधित्व कर रहे नोडल अधिकारी ही संबंधित भाषा के भाषा अभिभावक होंगे। वे विवि में अध्यनरत अपनी भाषा के विद्यार्थियों के स्थानीय अभिभावक की भूमिका का भी निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर समिति के समन्वयक एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने समिति के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं का समुचित उन्नयन राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। भारत की प्रत्येक बोली और भाषा के साहित्य, संस्कृति को संजोकर रखना, उसमें पठन-पाठन की व्यवस्था करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि कुलपति के निर्देशन में विवि के शिक्षकों द्वारा 12 भारतीय भाषाओं में 25 पाठ्य पुस्तकों के लेखन का कार्य जनवरी के अंत तक पूर्ण हो जाएगा। साथ ही इन पुस्तकों का 12-12 भाषाओं में अनुवाद कर लगभग 300 पुस्तकें तैयार करने का कार्य भी प्रगति पर है। शीघ्र ही भाषा अभिभावकों एवं भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के गठन की अधिसूचना जारी की जायेगी। विवि में अध्यनरत विभिन्न भाषा-भाषी विद्यार्थी अपने भाषा अभिभावक से संपर्क कर सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति. 2020 की भावना के अनुरूप विवि के शिक्षकों द्वारा मातृभाषा में लिखित 12 पुस्तकों का विमोचन इसी वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था। बैठक में प्रो. वर्षा शर्मा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. देवाशीष बोस, डॉ. किरण आर्या, डॉ. वसीम अनवर, डॉ. अनुपमा चंदा, डॉ. चिट्टी बाबू, डॉ. नवजोत कंवल, डॉ. हेमंत पाटीदार आदि सहित विभिन्न भाषाओं के प्रतिनिधि नोडल अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सराफ ने किया।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061** समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।